मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 235
शुक्रवार, 13 मार्च 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

ऊर्जा संकट देश के लिए परीक्षा की घड़ी: पीएम मोदी

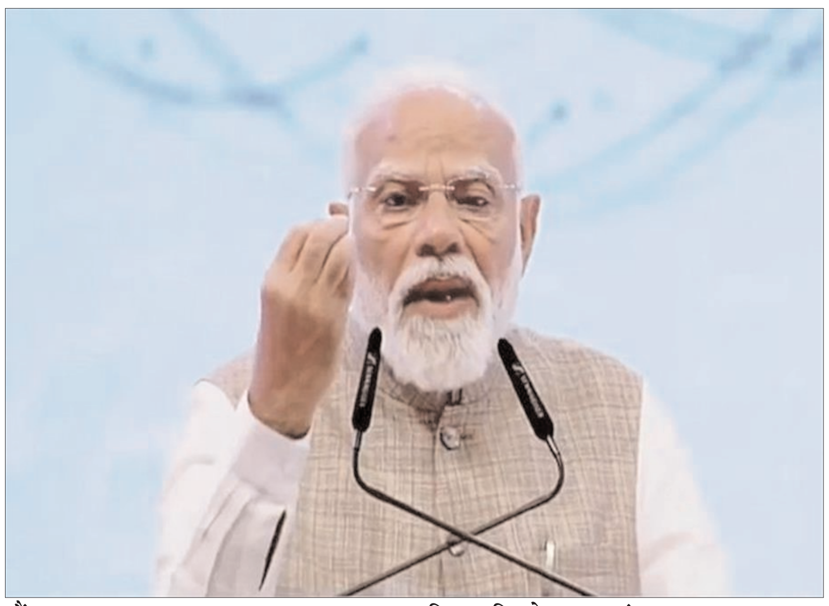

नई दिल्ली, 12 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ठळ र४३ 2026 को संबोधित करते हुए वैश्विक ऊर्जा संकट पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और युद्ध की स्थिति ने पूरी दुनिया को गंभीर ऊर्जा संकट की ओर धकेल दिया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस वैश्विक परिस्थिति का असर भारत पर भी पड़ सकता है, लेकिन सरकार ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार कदम उठा रही है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने देशवासियों के भरोसे का जिक्र करते हुए कहा कि 140 करोड़ भारतीयों की एकजुटता किसी भी चुनौती से निपटने की ताकत रखती है। उन्होंने कहा कि जिस तरह देश ने COVID-19 महामारी के दौरान कठिन परिस्थितियों का सामना किया, उसी तरह मौजूदा ऊर्जा संकट से भी भारत मजबूती के साथ बाहर आएगा।

प्रधानमंत्री ने एलपीजी को लेकर फैल रही अफवाहों पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कुछ लोग अनावश्यक रूप से घबराहट फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा कि ऐसी राजनीति करने वाले लोग खुद ही जनता के सामने बेनकाब हो रहे हैं।

पीएम मोदी ने इस चुनौतीपूर्ण समय में सभी वर्गों से जिम्मेदारी निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल, मीडिया, युवा और समाज के हर वर्ग को मिलकर काम करना चाहिए ताकि देश इस संकट का सामना मजबूती से कर सके।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने की दिशा में कई कदम उठाए हैं। उनके अनुसार, 2014 से पहले देश में स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व की क्षमता बहुत सीमित थी, लेकिन अब यह बढ़कर 50 लाख टन से अधिक हो चुकी है और इसे और विस्तार देने की योजना पर काम चल रहा है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि पिछले एक दशक में ऊर्जा क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं: देश में LPG कनेक्शन की संख्या 2014 के लगभग 14 करोड़ से बढ़कर 33 करोड़ से अधिक हो गई है। LNG टर्मिनल की संख्या भी दोगुनी हो चुकी है, जिससे गैस सप्लाई नेटवर्क मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि इन पहलों के कारण वैश्विक संकटों के बावजूद भारत स्थिर और तेज विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज दुनिया भारत की बढ़ती ताकत को पहचान रही है। उनके मुताबिक, वैश्विक स्तर पर यह धारणा मजबूत हो रही है कि भविष्य की अर्थव्यवस्था और विकास में भागीदारी के लिए भारत के साथ जुड़ना जरूरी है।

मेघालय में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ सड़कों पर उतरा लोगों का हुजूम, सरकार पर साधा निशाना

शिलांग, 12 मार्च। मेघालय की राजधानी शिलांग में अवैध घुसपैठ के मुद्दे को लेकर व्यापक जनाक्रोश देखने को मिल रहा है। हम आपको बता दें कि मोटफ्रान क्षेत्र में आयोजित एक विशाल जनसभा में विभिन्न सामाजिक संगठनों और छात्र समूहों ने बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ जोरदार आवाज उठाई। इस सभा का आयोजन मेघालय सामाजिक संगठन महासंघ ने किया था, जिसमें गारो पहाड़ क्षेत्र के लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त की गई।

सभा के दौरान प्रदर्शनकारियों ने ह्लगो बैक बांग्लादेशीह्व जैसे नारे लगाए और आरोप लगाया कि अवैध घुसपैठ की समस्या ने राज्य के जनजातीय समाज, भूमि अधिकार और राजनीतिक अधिकारों को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। वक्ताओं ने कहा कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो स्थानीय समुदायों की पहचान और अस्तित्व पर खतरा मंडरा सकता है।इस जनसभा में गारो पहाड़ से कई सामाजिक संगठनों और नेताओं ने भाग लिया। बड़ी संख्या में छात्र भी कार्यक्रम में शामिल हुए। सभा में वक्ताओं ने राज्य सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि सरकार जनजातीय समुदायों के हितों की रक्षा करने में असफल रही है।नानग्रीमगिमिन अचिक डोल के अध्यक्ष डेविड मराक ने कहा कि अवैध घुसपैठ के कारण गारो पहाड़ क्षेत्र में सामाजिक और आर्थिक संतुलन बिगड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कई बाहरी लोग आजीविका के अवसरों का लाभ उठा रहे हैं और कुछ मामलों में बिना उचित निगरानी के मकान बनाकर बेनामी गतिविधियां भी चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति पिछले नेताओं की लापरवाही का परिणाम है जिन्होंने संविधान की छठी अनुसूची के प्रावधानों की रक्षा नहीं की।

वहीं मेघालय सामाजिक संगठन महासंघ के अध्यक्ष राय कुपर सिनरेम ने गारो पहाड़ के लोगों के प्रति एकजुटता जताते हुए कहा कि हिन्युट्रेप समुदाय अचिक समाज के साथ खड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि गारो पहाड़ स्वायत्त जिला परिषद चुनाव को स्थगित करने का निर्णय जनता को भ्रमित करने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि सरकार को पता है कि जनता आगामी चुनाव में सत्ताधारी दल के पक्ष में मतदान नहीं करेगी।सिनरेम ने सरकार से अवैध घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें वापस भेजने की मांग भी की। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि इस समस्या का स्थायी समाधान किया जाए और राज्य की भूमि तथा संसाधनों की रक्षा की जाए।इसके अलावा, हिटो के अध्यक्ष डोनबोक खार ने कहा कि चुनाव स्थगित होना गारो पहाड़ के लोगों की एक उपलब्धि है।

पेट्रोल-डीजल संकट पर एक्शन मोड में आई सरकार, हाई-लेवल कमेटी का किया गठन, ये मंत्री संभालेंगे कमान

नई दिल्ली, 12 मार्च। देशभर में पेट्रोल- डीजल की किल्लत को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। केंद्र सरकार ने एक खास कमेटी का गठन किया है, जिसकी कमान देश के कई बड़े मंत्री संभालेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में पेट्रोल, डीजल और गैस की आपूर्ति की मॉनिटरिंग के लिए कमिटी गठित की गई है।

यह एक तीन सदसीय कमेटी है, जिसमें अमित शाह (गृह मंत्री), अमित शाह (गृह मंत्री) और हरदीप सिंह पुरी (पेट्रोलियम मंत्री) शामिल होंगे। देश में गैस की किल्लत की खबरें सामने आने के बाद हालात थोड़े गड़बड़ाते हुए नजर आ रहे है। कई बड़े शहरों जैसे कि दिल्ली, मुंबई, लखनऊ और भोपाल में गैस एजेंसियो के बाहर गैस भरवाने लोग लंबी लाइनें लगा कर खड़े हैं। ये लाइनें इतनी लंबी हैं कि लोगों को अपनी बारी के लिए घंटों का इंतजार करना पड़ रहा है। देश में ऐसे हालात मिडिल ईस्ट में बने युद्ध जैसे हालातों पर तनाव को लेकर उजागर हो रहे हैं। लोगों का ऐसा मानना है कि अगर युद्ध लंबा खींचता है तो इससे देश में गैस की किल्लत बन सकती है, जिसका सीधा असर आम जनता पर होगा। इसी के चलते बाजारों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया है। देश में बन रहे इन हालातों पर सरकार ने कहा है कि देश में गैस और तेल के पर्याप्त भंडार हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय ने अपना रुख साफ करते हुए कहा कि मिडिल ईस्ट में बन रहे इन युद्ध जैसे हालातों के बीच भारत में गैस की सप्लाई पर कोई असर नहीं होगा। इसके लिए सरकार ने लोगों को इस समय में पैनिक न करने की सलाह दी है और कहा है कि ऐसी अफवाहों से बचें।

900 करोड़ का ऑनलाइन स्कैम, सीबीआईकी बड़ी कार्रवाई, 4 राज्यों में 15 जगह छापेमारी

नई दिल्ली, 12 मार्च। देश में बढ़ते साइबर फ्रॉड के बीच एक बड़ा मामला सामने आया है। Central Bureau of Investigation (CBI) ने ऑनलाइन निवेश और पार्ट-टाइम जॉब के नाम पर चल रहे एक बड़े ठगी रैकेट का पदार्फाश किया है।

जांच एजेंसी ने गुरुवार (12 मार्च 2026) को दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और पंजाब में एक साथ करीब 15 स्थानों पर छापेमारी की। जांच में सामने आया है कि यह गिरोह लोगों को निवेश के लालच और ऑनलाइन जॉब के झांसे में फंसाकर करीब 900 करोड़ रुपये की ठगी कर चुका है। जांच के अनुसार यह गिरोह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, मोबाइल एप और एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप Telegram के जरिए लोगों से संपर्क करता था। ठग पहले लोगों को छोटी रकम निवेश करने के लिए कहते थे और शुरूआती चरण में नकली मुनाफा दिखाकर उनका भरोसा जीत लेते थे। इसके बाद बड़े निवेश के नाम पर लाखों रुपये ऐंठ लिए जाते थे।

जांच एजेंसियों के मुताबिक, ठगी की रकम पहले फर्जी बैंक खातों यानी म्यूल अकाउंट्स में ट्रांसफर की जाती थी। इसके बाद पैसे को विदेश भेजने के लिए दुबई स्थित फिनटेक प्लेटफॉर्म Pyypl का इस्तेमाल किया जाता था। कई मामलों में रकम को क्रिप्टोकरेंसी Tether (USDT) में बदलकर क्रिप्टो एक्सचेंज Binance के जरिए आगे ट्रांसफर किया जाता था।

CBI के अनुसार इस पूरे नेटवर्क का संचालन चार्टर्ड अकाउंटेंट अशोक कुमार शर्मा कर रहा था। बताया जा रहा है कि दिल्ली-गुरुग्राम सीमा पर स्थित बिजवासन में उसके ऑफिस से यह नेटवर्क चलाया जाता था, जिसे जांच एजेंसियां “Bijwasan Group” के नाम से पहचान रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, शर्मा पहले से ही Ennorcement Directorate (ED) की हिरासत में हैं और अब CBI उनकी कस्टडी लेने की तैयारी कर रही है। जांच में यह भी सामने आया है कि गिरोह ने करीब 15 से अधिक शेल कंपनियां बनाई थीं। इनमें कई आम लोगों को फर्जी तरीके से डायरेक्टर दिखाया गया था, ताकि पैसों के लेन-देन को छिपाया जा सके। जांच एजेंसी अब ठगी की रकम को ट्रेस करने और उसे फ्रीज करने की प्रक्रिया में जुटी है। साथ ही गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश भी जारी है, जिनमें कुछ विदेशी नागरिकों के शामिल होने की आशंका जताई जा रही है।

किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी पर निशाना साधा

नई दिल्ली, 12 मार्च। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने एलपीजी की कमी पर बोलने के लिए मिली विशेष अनुमति को नजरअंदाज कर दिया और इसके बजाय एक अन्य मुद्दा उठा दिया। रिजिजू ने उन पर सदन में हंगामा करने और पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी के बयान के दौरान कार्यवाही बाधित करने का भी आरोप लगाया।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी को विशेष अनुमति दी गई थी। जैसे ही उन्हें बोलने की अनुमति मिली, उन्होंने एलपीजी पर बोलने के बजाय वैश्विक मुद्दों पर बोलना शुरू कर दिया... उन्होंने इस विषय पर बात नहीं की। उन्होंने कहा कि जब केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी बयान दे रहे थे, तब राहुल गांधी ने फिर से अपने सभी सांसदों को कुएं में भेज दिया। उन्होंने फिर से कागज फाड़कर फेंक दिया और हंगामा किया, जिसके कारण सदन को स्थगित करना पड़ा।

इससे पहले आज, राहुल गांधी ने चेतावनी दी कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं, और कहा कि दर्द तो अभी शुरू हुआ है। लोकसभा में बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा कि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच चल रहे इस युद्ध के वैश्विक और घरेलू स्तर पर दूरगामी परिणाम होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि मध्य पूर्व में युद्ध छिड़ गया है। अमेरिका, इजराइल और ईरान आपस में लड़ रहे हैं।

ममता बनर्जी ने गैस संकट और महंगाई पर केंद्र के खिलाफ हल्ला बोला

कोलकता। पश्चिम बंगाल में रसोई गैस और वाहन गैस की कमी को लेकर सियासी माहौल लगातार गर्म होता जा रहा है और इसी बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता में विरोध मार्च निकालने का ऐलान किया है। मौजूद जानकारी के अनुसार यह मार्च सोमवार को कोलकाता के कॉलेज स्क्वायर से शुरू होकर एस्प्लानेड के डोरिना क्रॉसिंग तक निकाला जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी भी शामिल होंगे। बता दें कि इस मार्च का उद्देश्य रसोई गैस और वाहन गैस की बढ़ती कीमतों और आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं के खिलाफ विरोध दर्ज कराना बताया जा रहा है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

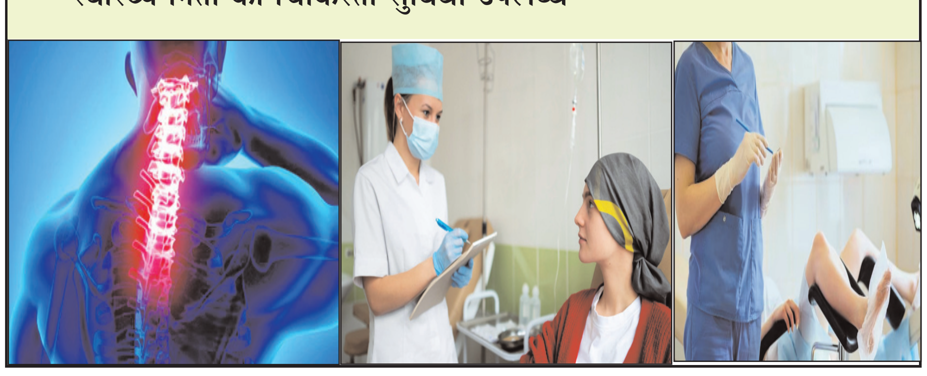

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra

ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

अविश्वास प्रस्ताव की राजनीति एवं लोकतांत्रिक मूल्य

-ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण संस्था संसद है, जहां न केवल कानून बनते हैं बल्कि राष्ट्र की दिशा और दशा पर गंभीर विमर्श भी होता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था का मूल आधार यही है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों अपनी-अपनी भूमिका को लोकतांत्रिक तरीके से जिम्मेदारी, संयम और मर्यादा के साथ निभाएं, यह नितांत अपेक्षित है। किंतु हाल के दिनों में जिस तरह से लोकसभा में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाया गया अविश्वास प्रस्ताव चर्चा में आया, उसने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया कि क्या विपक्ष वास्तव में संसदीय मर्यादाओं और लोकतांत्रिक जिम्मेदारियों को लेकर गंभीर है या वह केवल स्वार्थ की राजनीतिक करने के लिए ऐसे कदम उठा रहा है। लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना एक गंभीर संसदीय कदम माना जाता है। यह केवल राजनीतिक विरोध का साधन नहीं होता, बल्कि इसके पीछे ठोस तर्क, गंभीर आरोप और व्यापक समर्थन होना अपेक्षित होता है। किंतु जिस प्रकार विपक्ष ने यह प्रस्ताव लाया और बाद में उसकी गंभीरता का अभाव दिखाया, उसने इस पूरी प्रक्रिया को प्रश्नों के घेरे में खड़ा कर दिया। जब यह प्रस्ताव ध्वनि मत से खारिज हुआ तो विपक्ष ने मतदान की मांग तक नहीं की। यदि विपक्ष को अपने प्रस्ताव पर पूरा विश्वास होता और उसे लगता कि वह सदन का समर्थन प्राप्त कर सकता है, तो वह निश्चित रूप से मत विभाजन की मांग करता। लेकिन ऐसा न होना इस तथ्य को ही पुष्ट करता है कि विपक्ष स्वयं भी जानता था कि यह प्रस्ताव पारित होने की स्थिति में नहीं है।

इससे भी अधिक आश्चर्यजनक स्थिति तब देखने को मिली जब प्रस्ताव पर चर्चा का अवसर आया तो विपक्ष ने स्वयं उस पर चर्चा करने के बजाय पश्चिम एशिया के संकट पर बहस की मांग शुरू कर दी। यह विषय निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, किंतु यदि विपक्ष ने स्वयं लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया था तो उसे पहले उसी पर गंभीर चर्चा करनी चाहिए थी। सरकार की ओर से भी यह स्पष्ट किया गया कि वह अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा से पीछे नहीं है, लेकिन संसद की कार्यवाही को नियमों और प्राथमिकताओं के अनुसार चलाना आवश्यक है। इस पूरे घटनाक्रम ने यह संकेत दिया कि विपक्ष विशेष रूप से कांग्रेस अपने ही प्रस्ताव को लेकर गंभीर नहीं थी। इस अवसर पर ही नहीं, अनेक अवसरों पर उसने गैर-जिम्मेदारी एवं बचकानेपन का अहसास कराया है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। वह सरकार की नीतियों की समीक्षा करता है, उसकी गलतियों को उजागर करता है और वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करता है। किंतु जब विपक्ष केवल राजनीतिक आरोपों और शोर-शराबे तक सीमित रह जाए तो लोकतांत्रिक विमर्श कमजोर पड़ने लगता है। यहां सत्ता-पक्ष के लिये भी यह गौर करने की बात है कि आखिर विपक्ष को ऐसा क्यों लग रहा है कि उसकी बातों को अनसुना किया जाता है? पक्ष एवं विपक्ष दोनों को ही विश्वास, समन्वय एवं सौहार्द बनाये रखते हुए ही आगे बढ़ना होगा।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का व्यवहार भी कई बार संसदीय मर्यादाओं के संदर्भ में चर्चा का विषय बना है। यह सच है कि विपक्ष के नेता के रूप में उन्हें सरकार की आलोचना करने और अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि संसदीय नियमों और परंपराओं को दरकिनार कर दिया जाए। संसद की कार्यवाही स्पष्ट नियमों और प्रक्रियाओं के अधीन चलती है और इन नियमों का पालन करना हर सांसद की जिम्मेदारी है। बीते कुछ समय से राहुल गांधी संसद के भीतर और बाहर यह आरोप लगाते रहे हैं कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के मामले में प्रधानमंत्री ने समर्पण कर दिया है। इस तरह के आरोपों को उन्होंने कई मंचों पर दोहराया है, किंतु इन दावों के समर्थन में ठोस तथ्य प्रस्तुत नहीं किए गए। इसी प्रकार उन्होंने चुनाव आयोग पर भी यह आरोप लगाया कि वह मतदाता सूचियों के विशेष पुनरीक्षण के माध्यम से सत्तारूढ़ दल को लाभ पहुंचाने का प्रयास कर रहा है। ऐसे आरोप लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाने वाले होते हैं और यदि इन्हें प्रमाणों के बिना बार-बार दोहराया जाए तो यह लोकतांत्रिक संस्कृति के लिए भी उचित नहीं माना जा सकता।

इसी संदर्भ में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में विस्तार से यह बताया कि लोकसभा अध्यक्ष पर बोलने का अवसर न देने का आरोप लगाने वाले राहुल गांधी ने स्वयं कई महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा में भाग नहीं लिया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि संसद के विभिन्न सत्रों के दौरान उनकी उपस्थिति अपेक्षाकृत कम रही है और कई बार महत्वपूर्ण बहसों के दौरान वे विदेश यात्राओं पर रहे। इन तथ्यों को सामने रखते हुए यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि यदि संसद में सक्रिय भागीदारी ही कम होगी तो संसदीय विमर्श को प्रभावी कैसे बनाया जा सकेगा। जहां तक लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का प्रश्न है, उनका कार्यकाल कई दृष्टियों से उल्लेखनीय रहा है। उन्होंने सदन की कार्यवाही को संतुलित, संयमित और नियमबद्ध ढंग से संचालित करने का प्रयास किया है। उनके नेतृत्व में संसद की कार्यवाही को अधिक उत्पादक बनाने की दिशा में कई प्रयास किए गए। उन्होंने सांसदों को समयबद्ध तरीके से बोलने का अवसर देने, युवा सांसदों को अधिक सक्रिय करने और संसदीय समितियों की भूमिका को मजबूत बनाने पर विशेष ध्यान दिया। ओम बिरला की एक बड़ी विशेषता उनका शांत, संयमित और संवादपरक स्वभाव है। वे अक्सर सभी दलों के नेताओं से संवाद स्थापित कर सदन को सुचारुरूप से चलाने की कोशिश करते हैं।

कई बार जब सदन में तीखी बहस या हंगामे की स्थिति बनी, तब भी उन्होंने धैर्य और संतुलन के साथ कार्यवाही को आगे बढ़ाने का प्रयास किया। यही कारण है कि उनके कार्यकाल को संसदीय परंपराओं के सम्मान और लोकतांत्रिक संतुलन के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जाता है। भारतीय लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां लगभग डेढ़ अरब लोगों की आकांक्षाएं, विविधताएं और विचार संसद के माध्यम से अभिव्यक्ति पाते हैं। यह लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह निरंतर संवाद, विमर्श और जवाबदेही की प्रक्रिया है। संसद इसी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का केंद्रीय मंच है। इसलिए यह अपेक्षा की जाती है कि वहां होने वाली बहसें गंभीर, तथ्यपूर्ण और मर्यादित हों। दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में संसद में हंगामे और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप की प्रवृत्ति बढ़ी है। कई बार महत्वपूर्ण विधेयकों और नीतिगत मुद्दों पर गंभीर चर्चा के बजाय राजनीतिक टकराव का माहौल बन जाता है। इससे न केवल संसद की गरिमा प्रभावित होती है बल्कि जनता के मन में भी यह प्रश्न उठता है कि क्या उनके प्रतिनिधि वास्तव में राष्ट्रीय मुद्दों पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ लाया गया यह अविश्वास प्रस्ताव भी इसी प्रवृत्ति का एक उदाहरण प्रतीत होता है। जब विपक्ष स्वयं अपने प्रस्ताव को गंभीरता से आगे नहीं बढ़ाता, तो यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति उसकी प्रतिबद्धता पर प्रश्न खड़े करता है। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, बल्कि वह आवश्यक भी है, लेकिन असहमति को जिम्मेदारी और तर्कसंगतता के साथ व्यक्त किया जाना चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की यह जिम्मेदारी है कि वे संसद को टकराव का मंच बनाने के बजाय संवाद का मंच बनाएं। यदि संसद में गंभीर बहसें होंगी, तथ्यात्मक तर्क प्रस्तुत किए जाएंगे और नीतियों पर सार्थक चर्चा होगी, तभी लोकतंत्र मजबूत होगा। अन्यथा केवल राजनीतिक आरोपों और प्रतीकात्मक कदमों से लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को आघात पहुंच सकता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद की गरिमा और लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोपरि रखा जाए। लोकसभा अध्यक्ष का पद संसद की निष्पक्षता और मर्यादा का प्रतीक माना जाता है और इस संस्था के प्रति अनावश्यक राजनीतिक टकराव लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में लोकतंत्र की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसके राजनीतिक दल कितनी परिपक्वता और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। यदि विपक्ष अपनी भूमिका को गंभीरता और रचनात्मकता के साथ निभाए और सत्ता पक्ष भी संवाद के लिए खुलेपन का परिचय दे, तो भारतीय लोकतंत्र न केवल मजबूत होगा बल्कि विश्व के लिए एक आदर्श भी प्रस्तुत करेगा। यही वह मार्ग है जो संसद की गरिमा, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रहित- तीनों की रक्षा कर सकता है।

वसई -विरार ही नहीं देश में कई शहरों में हो रही दवाइयों में हेरा फेरी

अशोक भाटिया

देशभर में एक बार फिर से दवाओं में मिलावट और औषधि बनाने वाली फार्मास्यूटिकल कम्पनियों की मुनाफाखोरी की कीमत एक्सपायर डेट वाली दवाओं के उपयोग से मासूम जिन्दगियों द्वारा चुकायी गई है। हाल ही में मुंबई से सटे वसई -विरार में महानगर पालिका के पेटिट अस्पताल में एक्सपायर डेट वाली दवाओं का खजाना पकड़ा गया है । इस मामले को भाजपा के नव निर्वाचित नगरसेवक व गट नेता अशोक शेलके के नेतृत्व में भाजपा के नगर सेवकों ने किया है । महाराट्र प्रदेश के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस से इस कोभांड के जाँच के आदेश भी दे दिए है । मुंबई से सटे शहर में ऐसा हो सकता है तो दूसरे शहरों के बारे में क्या कहें ।

एक दूसरे घटनाक्रम में मध्य प्रदेश के परासिया में कोल्ड्रिफ नामक सिरप के सेवन से 20 बच्चों की मौत हो गयी, जबकि 10 से अधिक बच्चे गम्भीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं यह बात अभी तक लोग भूले नहीं है । यह सिरप श्रीसन फार्मास्युटिकल्स द्वारा निर्मित था। इसी प्रकार राजस्थान में कैसन्स फार्मा द्वारा तैयार खाँसी के सिरप के सेवन से 12 बच्चों की जान चली गयी। मध्यप्रदेश के ही ग्वालियर जिले में दूषित खाँसी के सिरप से हुई बच्चों की मौतों के मामले के ठीक कुछ दिन बाद ही एक सरकारी अस्पताल में सरकार द्वारा आपूर्ति की गयी एज़िथ्रोमाइसिन सिरप की बोतल में कीड़े पाये जाने की घटना सामने आयी है। एक महिला ने शिकायत की कि जब उसने अपने बच्चे को देने के लिए सिरप की बोतल खोली, तो उसमें कीड़े दिखायी दिये। इसके बाद अस्पताल प्रशासन ने इस दवा के पूरे बैच (लगभग 306 बोतलों) को सील कर दिया और नमूने भोपाल व कोलकाता की प्रयोगशालाओं में परीक्षण हेतु भेजे गये। इन सभी हादसों ने एक बार फिर सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिये हैं। इसके साथ ही ये घटनाएँ इस बात का भी प्रमाण हैं कि दवा उद्योग में मुनाफाखोरी और सरकार की मिलीभगत का खामियाजा किस प्रकार सीधे तौर पर आम जनता को अपनी जिन्दगी से भरना पड़ता है।

बात अगर जहरीली दवाओं की की जाये तो हमें यह समझना होगा कि एक सामान्य-सी दिखने वाली दवा कैसे इतनी घातक बन जाती है। दरअसल प्रत्येक दवा दो प्रकार की चीजों को मिलाकर बनती है झ पहला उसके सक्रिय तत्व, जो बीमारी का उपचार करते हैं, और दूसरे उसके सहायक तत्व, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि दवा शरीर के उचित हिस्से तक पहुँचे। इसलिए किसी भी औषधि को सुरक्षित घोषित करने से पहले उस पर अनेक प्रकार के परीक्षण (clinical trials) किये जाने आवश्यक होते हैं। सिरपों में प्रायः ग्लिसरीन और प्रोपिलीन ग्लाइकोल को सुरक्षित सहायक तत्व के रूप में उपयोग किया जाता है, लेकिन अक्सर पाया गया है कि लागत घटाने के उद्देश्य से कई कम्पनियाँ इनकी जगह सस्ते में उपलब्ध डाइएथिलीन ग्लाइकोल (DEG) का प्रयोग करती हैं जो कि एक विषैला औद्योगिक सॉल्वेंट है। DEG का सम्मिलन दवाओं को घातक बना देता है, क्योंकि यह एक ऐसा पदार्थ है जोकि लिवर, दिमाग और दिमाग की कोशिकाओं को गम्भीर रूप से नुकसान पहुँचा सकता है और इसलिए अन्त में जान बचाने वाली दवा ही मरीज की मृत्यु का कारण बन जाती है।

दुर्भाग्यवश, यह समस्या नयी नहीं है। भारत ही नहीं विश्व के कई देशों में डाइएथिलीन ग्लाइकोल के कारण सैकड़ों बच्चों की मौतें दर्ज की जा चुकी हैं। कई फार्मा कम्पनियों के द्वारा लगातार की जा रही इस प्रकार की मिलावट की वजह से हाल के वर्षों में भारतीय कम्पनियों द्वारा निर्मित और निर्यात किये गये सिरपों से अफ्रीका के गाम्बिया में 70 और उज्बेकिस्तान में 17 बच्चों की मृत्यु हुई थी जिसके चलते इन्हें विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और FDA (अमरीकी स्वास्थ्य संस्था) द्वारा बैन किया जा चुका है। वहीं भारत में ये दवाएँ खुद सरकारी अस्पतालों में मुहैया की जा रही हैं! अक्सर ऐसा होता रहा है कि इस प्रकार के मामलों में जो भी जनहानि और मौतें होती हैं उनका और इस पूरी दुर्व्यवस्था का ठीकरा डॉक्टरों के सर फोड़ दिया जाता है, लेकिन सवाल यह है कि असल में इन मौतों के लिए जिम्मेदार कौन है?

दरअसल भारत में दवाओं की सुरक्षा और गुणवत्ता की निगरानी का दायित्व केन्द्रीय औषधि मानक नियन्त्रण संगठन (Central Drugs Standard Control Organisation – CDSCO) पर होता है, जो स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय के अधीन कार्य करता है। इसके प्रमुख, ड्रग्स कण्ट्रोलर जनरल ऑफ इण्डिया (DCGI), नई दवाओं की स्वीकृति, नैदानिक परीक्षणों की अनुमति, और दवा सुरक्षा की निगरानी के लिए जिम्मेदार होते हैं। किसी भी दवा को बाजार में बेचने से पहले उसे तीन चरणों में नैदानिक परीक्षणों Phase I, II और III Trials) से गुजरना पड़ता है, जिनका उद्देश्य उसकी सुरक्षा, प्रभावशीलता और खुराक निर्धारित करना होता है। इन परीक्षणों की रिपोर्टों का मूल्यांकन विशेषज्ञ समितियों द्वारा किया जाता है, जिसके बाद ही DCGI उस दवा को भारत में विपणन की अनुमति (Marketing Authorization) देता है। इसके अतिरिक्त, राज्य औषधि नियन्त्रण विभाग (State Drug Control Departments) अपने-अपने राज्यों में दवाओं के निर्माण, वितरण और बिक्री की निगरानी करते हैं। भारत में औषधि नियमन का आधार Drugs and Cosmetics Act, 1940 और Drugs and Cosmetics Rules, 1945 हैं, जिनके तहत दवा निर्माण के मानक, लेबलिंग, लाइसेंसिंग और परीक्षण की सभी प्रक्रियाएँ निर्धारित होती हैं। ऐसे नियामक ढाँचे के मौजूद होने के बावजूद, ऐसे हादसों का होना बिना राजनीतिक हस्तक्षेप और सरकारी मिलीभगत के हो पाना नामुनकिन है। वास्तविकता तो यह है कि यह पूँजीवादी व्यवस्था दवा कम्पनियों के हितों और उनके मुनाफे को आम जानता के स्वास्थ्य के ऊपर रखती है जिसके कारण ऐसी असुरक्षित और घटिया दवाएँ आम जनता तक पहुँच पाती हैं।

मिलावटी और नकली दवाओं का निर्माण जनता के जीवन के साथ सीधा खिलवाड़ है। मिलावटी और नकली दवाओं का इतना विशाल नेटवर्क सरकारी संस्थानों की खुली या मौन सहमति के बिना सम्भव नहीं। परासिया की घटना इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। मौतों के बाद, मध्य प्रदेश सरकार ने शुरू में कोल्ड्रिफ सिरप में किसी भी मिलावट के आरोपों को नकार दिया और निमार्ता कम्पनी का बचाव किया। लेकिन तमिलनाडु की सरकारी प्रयोगशाला में परीक्षण के बाद जब मिलावट की पुष्टि हुई, तो सरकार को शर्मनाक यू-टर्न लेना पड़ा। इसके बावजूद, कम्पनी के शीर्ष प्रबन्धन पर कार्रवाई करने के बजाय सिरप लिखने वाले डॉक्टरों को दोषी ठहराया गया और उन्हें निलम्बित कर दिया गया!

राजस्थान में स्थिति और भी चिन्ताजनक रही। वहाँ सरकार ने एक माँ को गिरफ्तार कर लिया जिसने सिरप अपने बच्चे के लिए खरीदा था! दोषपूर्ण बैच की बिक्री पर प्रतिबन्ध लगाने के अलावा कम्पनियों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गयी। यह खाद्य सुरक्षा और औषधि नियन्त्रण विभाग की सीधी विफलता है, जिसकी जिम्मेदारी है कि वह नकली दवाएँ बनाने वाली कम्पनियों की पहचान करे और उन पर कठोर कार्रवाई करे।

कई सूत्रों के अनुसार राजस्थान के उप औषधि संग्राहक राजाराम शर्मा ने नकली दवाओं की परिभाषा में ऐसा संशोधन किया जिससे लगभग 14-15 कम्पनियों को सार्वजनिक स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने की छूट मिल गयी। विभाग अब केवल शर्मा को दोषी ठहराने की कोशिश कर रहा है, जबकि सबूत यह दशार्ते हैं कि अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इस गड़बड़ी में शामिल थे। लोकसभा में नकली दवाओं का मुद्दा उठने के बावजूद, विभाग के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इस लापरवाही की कीमत निर्दोष बच्चों ने अपनी जान देकर चुकायी है।

यह स्थिति इस गम्भीर प्रश्न को जन्म देती है कि क्या ऐसी मौतों को हत्या या कम से कम गैर-इरादतन हत्या नहीं माना जाना चाहिए? मूलतः दवाएँ मानव जीवन की रक्षा और उपचार के लिए बनायी जाती हैं, लेकिन आज की सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था में उनका निर्माण मुनाफे के उद्देश्य से किया जा रहा है। यदि दवाओं की प्रभावशीलता और सुरक्षा ही सुनिश्चित नहीं की जायेगी, तो स्वयं दवाएँ ही मृत्यु या गम्भीर चिकित्सीय समस्याओं का कारण बन जायेंगी! दवा निर्माण को लोक स्वास्थ्य नीति से जोड़ना आवश्यक है, लेकिन भारत में यह प्रक्रिया लगभग पूरी तरह से निजी कम्पनियों के नियन्त्रण में है जो केवल अपने लाभ को प्राथमिकता देती हैं। आँकड़ों के अनुसार, भारतीय दवा उद्योग आज दुनिया का चौथा सबसे बड़ा निमार्ता है, जिसकी वार्षिक घरेलू आय लगभग 20,000 करोड़ और निर्यात से होने वाला कारोबार करीब 10,000 करोड़ है। लेकिन intellectual property rights यानी ज्ञान को निजी सम्पत्ति घोषित करने वाले कानून और कम्पनियों के निजी स्वार्थों के चलते दवाएँ अनावश्यक रूप से महँगी हैं और उनका उत्पादन मुनाफे की भूख से प्रेरित है। कई जाँच- पड़तालों में पाया गया है कि भारत में बिकने वाली लगभग 20 प्रतिशत दवाएँ नकली या मिलावटी हैं और विश्वभर में पाये जाने वाले ऐसे उत्पादों में 75 प्रतिशत भारतीय दवाएँ हैं।

पिछली कड़वी यादों को भुला अखिलेश की पश्चिमी यूपी में बड़ी चुनावी रैली की तैयारी

-अजय कुमार

समाजवादी पार्टी ने 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारी औपचारिक रूप से शुरू कर दी है। पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव 29 मार्च को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दादरी में समानता भाईचारा रैली के जरिए अपना चुनावी अभियान शुरू करेंगे। यह महज एक रैली नहीं है, बल्कि यह उस बड़ी राजनीतिक योजना की शुरूआत है जिसके जरिए अखिलेश यादव पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपनी पार्टी की जमीन को नए सिरे से तैयार करना चाहते हैं। दादरी का चुनाव भी रणनीतिक है क्योंकि यह इलाका जाट, मुस्लिम, दलित और पिछड़े वर्गों की मिली-जुली आबादी वाला क्षेत्र है और यहीं से पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक की राजनीति को धार देने की कोशिश की जाएगी। 2022 के विधानसभा चुनाव में पश्चिमी उत्तर प्रदेश का प्रदर्शन समाजवादी पार्टी के लिए बेहद निराशाजनक रहा था। पश्चिमी यूपी में कुल मिलाकर करीब 136 विधानसभा सीटें आती हैं जिनमें मेरठ, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा, मुरादाबाद, बिजनौर, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, शामली, बागपत, हापुड़ और आसपास के जिले शामिल हैं। 2022 में इस पूरे इलाके में समाजवादी पार्टी को केवल 35 से 38 के आसपास सीटें मिली थीं जबकि भारतीय जनता पार्टी ने यहां करीब 80 से अधिक सीटों पर जीत दर्ज की थी। वोट प्रतिशत की बात करें तो पश्चिमी यूपी में भाजपा को करीब 44 से 46 फीसदी वोट मिले थे जबकि सपा 30 से 33 फीसदी के आसपास सिमट गई थी। राष्ट्रीय लोकदल उस वक्त सपा के साथ गठबंधन में था और उसने जाट बहुल इलाकों में कुछ सीटें जिताई थीं, लेकिन इसके बावजूद गठबंधन का समग्र प्रदर्शन भाजपा के मुकाबले कमजोर ही रहा।

पश्चिमी यूपी में सपा की कमजोरी की जड़ें बहुत गहरी हैं। 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों के बाद इस इलाके में जाट और मुस्लिम समुदाय के बीच जो दरार पैदा हुई थी, उसका सीधा फायदा भाजपा को मिला। जाट मतदाता जो परंपरागत रूप से कभी कांग्रेस तो कभी लोकदल के साथ रहते थे, 2014 के बाद से भाजपा की तरफ मजबूती से झुक गए। 2022 में भी यह झुकाव बड़े पैमाने पर बना रहा। हालांकि राकेश टिकैत के नेतृत्व में किसान आंदोलन के बाद यह उम्मीद जगी थी कि जाट वापस भाजपा से नाराज होंगे, लेकिन वोटिंग के वक्त बड़े पैमाने पर यह नाराजगी सपा के पक्ष में नहीं बदल पाई।अब 2023 में राष्ट्रीय लोकदल ने सपा का साथ छोड़कर भाजपा के साथ हाथ मिला लिया है। जयंत चौधरी राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन में शामिल हो गए हैं। इसका सीधा मतलब यह है कि 2027 में सपा के पास पश्चिमी यूपी में जाट मतदाताओं तक पहुंचने का वह पुराना पुल नहीं रहेगा। पश्चिमी यूपी की करीब 40 से 45 विधानसभा सीटें ऐसी हैं जहां जाट मतदाता निर्णायक भूमिका निभाते हैं। इन सीटों पर रालोद के भाजपा के साथ जाने से सपा की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।ऐसे में अखिलेश यादव की पीडीए रणनीति ही वह हथियार है जिससे वे इस गणित को पलटना चाहते हैं। पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक यानी पीडीए का यह फामूर्ला 2024 के लोकसभा चुनाव में काफी हद तक काम भी किया। 2024 में सपा ने उत्तर प्रदेश में 37 सीटें जीतीं जो पार्टी के इतिहास में लोकसभा का सबसे बेहतर प्रदर्शन था। पश्चिमी यूपी में भी 2024 में सपा ने कुछ अप्रत्याशित जीतें दर्ज कीं। मुरादाबाद, रामपुर, संभल, अमरोहा और बिजनौर जैसे क्षेत्रों में सपा और उसके सहयोगी दलों ने बेहतर प्रदर्शन किया। इससे अखिलेश को भरोसा मिला कि पीडीए का फामूर्ला अगर सही तरीके से जमीन पर उतारा जाए तो पश्चिमी यूपी में भी बड़ा बदलाव संभव है।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश की जातीय संरचना पर गौर करें तो यहां मुस्लिम आबादी कई जिलों में 30 से 40 फीसदी तक है। मुरादाबाद, रामपुर, बिजनौर, संभल, अमरोहा, मुजफ्फरनगर और सहारनपुर जैसे जिलों में मुस्लिम मतदाता बड़ी संख्या में हैं और वे परंपरागत रूप से सपा के साथ रहे हैं। इसके अलावा दलित मतदाता जो अनुसूचित जाति के हैं, पश्चिमी यूपी में करीब 20 से 22 फीसदी हैं। पिछड़े वर्ग जिनमें यादव, कुर्मी, सैनी, प्रजापति, गुर्जर और अन्य जातियां शामिल हैं, उनकी भी पश्चिमी यूपी में ठीकठाक मौजूदगी है। अगर ये तीनों तबके एकजुट होकर सपा को वोट दें तो कम से कम 50 से 55 फीसदी वोट का आधार बन सकता है जो किसी भी सीट पर जीत के लिए पर्याप्त है।लेकिन असली चुनौती इन्हें एकजुट करना है। दलित मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा अभी भी बहुजन समाज पार्टी की तरफ देखता है। हालांकि मायावती की पार्टी 2022 और 2024 दोनों चुनावों में बुरी तरह पिटी है और उनका वोट बैंक बिखर रहा है। अखिलेश की कोशिश है कि इस बिखरे हुए दलित वोट को अपनी तरफ खींचा जाए। दादरी की रैली में समानता और भाईचारे का संदेश इसीलिए दिया जाएगा ताकि दलित समुदाय को यह भरोसा दिलाया जा सके कि सपा उनकी पार्टी है।

पश्चिमी यूपी में सपा के सामने एक और बड़ी समस्या संगठन की है। इस इलाके में सपा का जमीनी ढांचा बहुत मजबूत नहीं है। पूर्वी यूपी के मुकाबले जहां यादव बाहुल्य क्षेत्र हैं और पार्टी की गहरी जड़ें हैं, पश्चिमी यूपी में सपा को हर बूथ तक अपनी पहुंच बनाने के लिए नए सिरे से काम करना होगा। अखिलेश ने इसके लिए रैलियों और जनसंपर्क अभियानों की एक लंबी श्रृंखला तैयार की है जो दादरी से शुरू होकर पूरे पश्चिमी यूपी को कवर करेगी।भाजपा के लिए भी यह लड़ाई आसान नहीं होगी। किसानों की समस्याएं, बेरोजगारी और महंगाई जैसे मुद्दे जनता के मन में हैं। पश्चिमी यूपी के गन्ना किसानों का बकाया और सरकारी योजनाओं का जमीनी क्रियान्वयन बड़े सवाल हैं। सपा इन्हीं मुद्दों को हवा देकर अपना रास्ता बनाना चाहती है।2027 में पश्चिमी यूपी की लड़ाई तय करेगी कि उत्तर प्रदेश में सत्ता का रुख किस तरफ जाएगा। इस इलाके की 136 के करीब सीटें किसी भी दल को सरकार बनाने या रोकने में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। अखिलेश यादव जानते हैं कि अगर पश्चिमी यूपी नहीं जीता तो लखनऊ की राह बंद है। दादरी की रैली इसी लंबे सफर का पहला कदम है।

भारत की कूटनीति रंग लाई, ईरान से भारत पहुंचे तेल टैंकर

-संजय सक्सेना

भारत के मुसलमान और अन्य कुछ राजनीतिक दल भले ही मोदी सरकार को ईरान का साथ न देने के लिए कोस रहे हो लेकिन ईरान में माहौल दूसरा है. जब दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतों को लेकर हर तरफ बेचैनी का माहौल है, तब भारत सरकार ने कूटनीतिक मोर्चे पर एक अहम कामयाबी हासिल की है। ईरान ने भारत के झंडे वाले तेल टैंकरों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की इजाजत दे दी है। यह राहत ऐसे वक्त में मिली है जब पूरी दुनिया की निगाहें इस संकरे लेकिन बेहद अहम समुद्री रास्ते पर टिकी हुई हैं। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर की सक्रिय कूटनीति और ईरान के साथ सीधी बातचीत को इस सफलता की सबसे बड़ी वजह माना जा रहा है।जानकारों का कहना है कि जयशंकर और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची के बीच हाल ही में हुई बातचीत के बाद ईरान ने यह फैसला लिया। भारत ने अपने तेल आयात को लेकर ईरान के सामने अपनी जरूरत साफ तौर पर रखी और यह समझाया कि भारतीय टैंकरों का इस रास्ते से गुजरना दोनों देशों के हित में है। ईरान ने भारत की इस बात को माना और होर्मुज से भारतीय जहाजों के गुजरने का रास्ता खोल दिया। यह भारत की उस परंपरागत विदेश नीति की जीत है जिसमें बातचीत और संवाद को हथियार की जगह प्राथमिकता दी जाती है।

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे व्यस्त और सबसे संवेदनशील समुद्री रास्तों में से एक है। दुनिया भर में होने वाले कच्चे तेल के कुल व्यापार का एक बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। फारस की खाड़ी के देशों से निकलने वाला तेल इसी संकरे समुद्री दरवाजे से होकर दुनिया के बाकी हिस्सों तक पहुंचता है। भारत जैसे देश के लिए, जो अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से आयात करता है, इस रास्ते का बंद होना या खतरनाक हो जाना सीधे तौर पर तेल की उपलब्धता और कीमतों पर असर डालता है। ईरान की तरफ से राहत मिलने के बाद भारत के दो तेल टैंकर पुष्पक और परिमल सुरक्षित रूप से होर्मुज से गुजरे हैं। यह खबर उन लाखों लोगों के लिए राहत भरी है जो देश में तेल की कमी और कीमतों में उछाल को लेकर चिंतित थे। इससे पहले एक और टैंकर जिसका कप्तान भारतीय बताया जा रहा है, वह भी इस रास्ते से सफलतापूर्वक पार हो गया। यह जहाज युद्ध शुरू होने के बाद से इस मार्ग को पार कर भारत आने वाला पहला जहाज था। रिपोर्टों के मुताबिक सऊदी अरब का कच्चा तेल लेकर चल रहा यह लाइबेरिया के झंडे वाला जहाज दो दिन पहले होर्मुज से गुजरा और अभी मुंबई बंदरगाह पर रुका हुआ है।

भारत की ऊर्जा जरूरतें साल दर साल बढ़ती जा रही हैं। देश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, उद्योगों की मांग और आम जनता की जरूरतें पूरी करने के लिए कच्चे तेल की निर्बाध आपूर्ति बेहद जरूरी है। भारत अपनी जरूरत का करीब पचासी फीसदी से ज्यादा कच्चा तेल बाहर से मंगाता है और इसमें खाड़ी देशों की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा है। ऐसे में अगर होर्मुज जैसा अहम रास्ता लंबे समय तक बंद रहे तो इसका असर सिर्फ तेल कंपनियों पर नहीं, बल्कि हर उस भारतीय परिवार पर पड़ता है जो रोजाना किसी न किसी रूप में पेट्रोल, डीजल या गैस का इस्तेमाल करता है।जयशंकर की यह कामयाबी इसलिए भी खास है क्योंकि यह उस दौर में आई है जब दुनिया के कई बड़े देश खाड़ी क्षेत्र में तनाव के चलते अपने तेल आपूर्ति के रास्तों को लेकर परेशान हैं। कई देशों के जहाज होर्मुज से गुजरने में झिझक रहे थे और तेल बाजार में इसका सीधा असर कीमतों पर दिख रहा था। भारत ने इस मुश्किल घड़ी में चुप बैठने की बजाय सक्रिय कदम उठाया, ईरान से सीधे बातचीत की और नतीजा सबके सामने है।

भारत और ईरान के बीच संबंध ऐतिहासिक रूप से गहरे रहे हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार, संस्कृति और कूटनीति के रिश्ते सदियों पुराने हैं। हालांकि बीते कुछ सालों में अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से भारत और ईरान के बीच तेल व्यापार में कमी आई थी, लेकिन दोनों देशों के बीच राजनीतिक और कूटनीतिक संबंध हमेशा बने रहे। भारत की यह कोशिश रही है कि वह एक तरफ अमेरिका और पश्चिमी देशों से अच्छे संबंध बनाए रखे और दूसरी तरफ ईरान जैसे पड़ोसी मुल्कों से भी रिश्ते खराब न हो। इस संतुलन की कूटनीति का ही नतीजा है कि आज भारत ईरान से यह राहत हासिल करने में कामयाब रहा जो शायद किसी और देश के बस की बात नहीं थी। इस पूरे घटनाक्रम से यह भी साफ होता है कि भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर कितना गंभीर है। सरकार ने न सिर्फ वैकल्पिक तेल आपूर्ति के रास्ते तलाशने शुरू कर दिए हैं, बल्कि मौजूदा रास्तों को सुरक्षित और खुला रखने के लिए कूटनीतिक स्तर पर पूरी ताकत लगा दी है। यह कदम देश की आर्थिक स्थिरता और आम जनता के हितों की रक्षा के नजरिए से बेहद जरूरी था।पुष्पक और परिमल जैसे टैंकरों का होर्मुज से सुरक्षित गुजरना महज एक खबर नहीं है। यह इस बात का संकेत है कि भारत की कूटनीति काम कर रही है। यह इस बात की मिसाल है कि जब सही समय पर सही तरीके से बातचीत की जाए तो बड़ी से बड़ी रुकावटें भी हट जाती हैं। भारत सरकार की यह सक्रियता आने वाले दिनों में देश की तेल आपूर्ति को स्थिर रखने में मददगार साबित होगी और कीमतों पर काबू रखने में भी सहायक रहेगी।

भारतीय रसोई में गैस छोड़कर बिजली का उपयोग शुरू करने की जरूरत

पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध ने खाड़ी देशों से कच्चे तेल, तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एल.एन.जी.) और रिफाइनरी उत्पादों की आपूर्ति रोक दी है, जिससे भारत को खाना पकाने के लिए आयातित हाइड्रोकार्बन पर निर्भरता की वास्तविकता का एहसास हो गया है। अब समय आ गया है कि हम अपने रसोईघरों में तरल पैट्रोलियम गैस (एल.पी.जी.) और पाइपलाइन वाली प्राकृतिक गैस (पी.एन.जी.) का उपयोग कम करना शुरू करें। एल.पी.जी. मूल रूप से प्रोपेन और ब्यूटेन का मिश्रण है, जबकि पी.एन.जी. मुख्य रूप से मीथेन है, ठीक उसी तरह, जैसे संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सी.एन.जी.), जिसका उपयोग वाहन पैट्रोल और डीजल के कम कार्बन वाले विकल्प के रूप में करते हैं। इसकी बजाय, हमें घरेलू कोयले और नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों से उत्पन्न बिजली से चलने वाले इलैक्ट्रिक स्टोव पर खाना पकाना चाहिए। चूंकि हमारे पास अपना कोयला है, इसलिए इसकी आपूर्ति विदेशों में युद्ध से बाधित नहीं हो सकती। न ही इसकी कीमत भू-राजनीतिक उतार-चढ़ाव से प्रभावित होती है। अब जबकि विद्युतीकरण दूरदराज के क्षेत्रों तक भी पहुंच गया है और घर बिजली ग्रिड से जुड़ गए हैं, जिनमें से कुछ छोटे जलविद्युत या नवीकरणीय परियोजनाओं द्वारा संचालित स्थानीय नैटवर्क हैं, एकमात्र चुनौती आपूर्ति की निरंतरता और वोल्टेज स्थिरता के संदर्भ में विश्वसनीयता है। यदि बिजली क्षेत्र में राजनीतिक मूल्य निर्धारण को हटा दिया जाए, तो बिजली कटौती के कारण होने वाली असुविधा चिंता का विषय नहीं रहेगी। हमारे प्रचुर मात्रा में कोयले के भंडार को निकालने के लिए व्यावसायिक खनिकों के चयन में भी राजनीति की भूमिका होती है। इसमें भी सुधार की गुंजाइश है।

आदर्श रूप से, खाना पकाने के लिए इंडक्शन स्टोव का उपयोग करना चाहिए, न कि सिरेमिक डिस्क पर बने खांचों में लिपटी हीटिंग कॉइल का। हीटिंग कॉइल गैस स्टोव की तरह ही काम करती है- यह खाना पकाने के बर्तन के बाहरी हिस्से को गर्म करती है, जिससे उसके अंदर रखे भोजन तक गर्मी पहुंचती है, लेकिन इस प्रक्रिया में काफी मात्रा में विकिरण ऊष्मा नष्ट हो जाती है।

प्रमोद कुमार पाण्डेय को पितृशोक

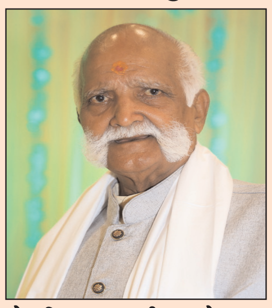

मुंबई (उत्तरशक्ति)। चेंबूर के समाजसेवी और उत्तर भारतीय समाज के अग्रज हंसराज पाण्डेय का निधन गुरुवार को हो गया। वे 80 वर्ष के थे। वे अपने पीछे धर्मपत्नी प्रभावती के साथ 5 पुत्र,5 बहुएं,13 पोते 6 पोतियोके अलावा1 परपोता 1परपोती सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए। चेम्बूर मुंबई में ही जन्मे, सामाजिक जीवन मे बहुत ही साहसी, निडर होने के हर वर्ग में लोकप्रियता प्राप्त थी।, इसके अलावा श्री नागेश्वर महादेव मंदिर की स्थापना कर पूरे परिवार को धर्म के मार्ग पर चलने को प्रेरित किये। मूल रूप से यूपी प्रतापगढ़ के निवासी थे।

मोटरसाइकिल चोरी करने वाले आरोपी को पेलहार पुलिस ने किया गिरफ्तार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। पालघर जिला अंतर्गत बिगत 28/02/2026 को दोपहर 2:00 बजे से 02/03/2026 को रात 8:30 बजे के बीच भवन संख्या 4, मंगलमूर्ति अपार्टमेंट, तुंगारेश्वर रोड, तुंगार फाटा, वसई पूर्व तालुका, वसई में खड़ी सफेद और नीली होंडा डिवो स्कूटर (पंजीकरण संख्या MH 48 AP 7884) अज्ञात चोर द्वारा चोरी हो गई। पूजा विजय दामोर, 35 वर्ष, व्यावसायिक शिक्षिका, कमरा संख्या 104, भवन संख्या 04, मंगलमूर्ति अपार्टमेंट, तुंगारेश्वर रोड, तुंगार फाटा, वसई पूर्व तालुका, वसई जिला पालघर द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत पर, अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। गुनाह पंजीकरण संख्या 1 143/2026 आईपीसी। धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। उक्त अपराध के संबंध में, वी. पोनी सचिन कांबले के निदेशानुसार, डाकघर की अपराध प्रकटीकरण शाखा के अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपराध स्थल पर तुरंत कुशल जांच की और गुप्त सूचनाओं के माध्यम से सूचना प्राप्त की कि उक्त अपराध आरोपी प्रदीप सोमनाथ बनर्जी, निवासी गाला नंबर 1, विकास सिटी 2 नंबर, वाघरेल पाड़ा, वालिव, वसई, तहसील वसई, जिला पालघर, पैतृक गांव दलबर, तहसील उत्तर कटबर, जिला मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल का रहने वाला है। उक्त आरोपी को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस हिरासत में पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि उसने चोरी की मोटरसाइकिल को ग्राइंडर मशीन से काटकर कबाड़खाने में बेच दिया है। आरोपी जोखू हनुमान गौतम, उम्र 50 वर्ष, व्यवसायः कबाड़ की दुकान, निवासी वालिव, वसई पूर्व तहसील वसई, जिला पालघर। बताया जा रहा है। साथही कबाड़खाने के मालिक को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी से वाहन के कुछ पुर्जे जब्त कर लिए गए हैं। आरोपी प्रदीप सोमनाथ बनर्जी (उम्र 46) से अपराध में इस्तेमाल की गई एक्टिवा स्कूटी MH.04 GT.0389 के संबंध में पूछताछ की गई तो जांच के दौरान पता चला कि यह भी वाहन मुंबई के कांदिवली पूर्व, जनुपाड़ा स्थित एवरशईन से चोरी किया था। आरोपी से निम्नलिखित अपराधों का खुलासा हुआ है।

17 लाख की दुकान सौदे में धोखाधड़ी का आरोप, पीड़ित ने पुलिस कमिश्नर ठाणे से लगाई न्याय की गुहार

भिवंडी। भिवंडी के न्यू गौरीपाड़ा क्षेत्र में एक दुकान की खरीद-फरोख्त के सौदे में कथित वित्तीय धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़ित खरीददार मोहम्मद गुड्डू मोहम्मद हसनैन अंसारी ने विक्रेता पर मिलीभगत और विश्वासघात के जरिए धोखाधड़ी करने का आरोप लगाते हुए पुलिस कमिश्नर ठाणे से न्याय की गुहार लगाई है। मिली जानकारी के अनुसार, मोहम्मद गुड्डू अंसारी ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर मकान नंबर 1011/28, सुपर प्लाजा बिल्डिंग, गाला/दुकान नंबर 28, क्षेत्रफल 141.49 वर्ग फुट, न्यू गौरीपाड़ा दीवानशाह दरगाह, भिवंडी स्थित दुकान अंसारी शहजाद आलम हकीमुद्दीन और अंसारी नुजहत शहजाद आलम से खरीदने का समझौता किया था। यह खरीद समझौता 30 जुलाई 2025 को नोटरी क्रमांक 7021/2025 के तहत दो गवाहों की मौजूदगी में किया गया था। शिकायत के अनुसार, दुकान की कुल कीमत 17 लाख रुपये तय हुई थी। समझौते के समय खरीदार ने 1 लाख रुपये अग्रिम दिए थे और शेष 16 लाख रुपये एक महीने के भीतर देकर संपत्ति को अपने नाम पंजीकृत कराने की शर्त तय हुई थी। आरोप है कि 26 अगस्त 2025 को आवेदक अपने गवाहों अंसारी फरहान और इब्राहिम शेख के साथ विक्रेताओं के पास शेष 16 लाख रुपये देने और रजिस्ट्री कराने पहुंचा, लेकिन विक्रेताओं ने किसी कारणवश राशि लेने से इनकार कर दिया और पंजीकरण की प्रक्रिया भी पूरी नहीं की। पीड़ित का कहना है कि वह एक गैराज में काम करके अपने परिवार का भरण-पोषण करता है और उसके पांच बेटियां और एक बेटा हैं। इस सौदे के कारण उसे आर्थिक नुकसान और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ा है। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि विक्रेताओं ने आपसी मिलीभगत से उसके साथ विश्वासघात करते हुए गंभीर वित्तीय धोखाधड़ी की है। मामले को लेकर उसने पुलिस आयुक्त ठाणे को लिखित शिकायत देकर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस में शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद अब इस पूरे प्रकरण की जांच की मांग उठ रही है।

भावनाओं की आवाजः वो पल जब श्रेया घोषाल ने हमारे दिलों को पिघला दिया

मुंबई/पटना। श्रेया घोषाल का नाम आज भावनाओं का पर्याय है। इंडियन आइडल के मंच पर वह प्रतियोगियों को उनके परफॉर्मेंस के दौरान मार्गदर्शन देती हैं और खुद मिसाल पेश करती हैं। अन्य जजों और मेहमानों के साथ उनका सहज व्यवहार, गानों को सुधारते हुए उसमें अपनी नजाकत जोड़ना और हर प्रतिभागी के प्रति दिखाया गया मातृत्व भाव—ये सब उन्हें हमारे दिलों के बेहद करीब बना देते हैं।

उनके जन्मदिन पर यह जरूरी है कि हम उस कालजयी और सहज गरिमा का जश्न मनाएँ जो वह इंडियन आइडल के मंच पर लेकर आती हैं। आइए उन लम्हों को याद करें जब उन्होंने सचमुच हमारे दिलों को पिघला दियाः जब उन्होंने हमें शामिल किया मोरे पिया के पहले लाइव परफॉर्मेंस में श्रेया घोषाल आज इंडस्ट्री की एक स्थापित आइकॉन हैं, लेकिन यह मानना मुश्किल है कि कभी उनकी भी शुरूआत हुई थी वो भी ऐतिहासिक फि ल्म देवदास से। मशहूर गायिका जसपिंदर नरूला के साथ मंच साझा करते हुए, श्रेया ने अपनी क्लासिकल गायकी से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। ह्यमोरे पियाह्न की प्रस्तुति ने सबको हैरान कर दिया। परफॉर्मेंस के अंत में जब उन्होंने जसपिंदर नरूला के चरण छुए, तो श्रेया ने हमें याद दिलाया कि चाहे आप कितनी भी ऊँचाइयों तक पहुँच जाएँ, अपनी जड़ों और अपने आदर्शों को कभी नहीं भूलना चाहिए। अगर तुम मिल जाओ ऐसा गीत है जिसे गाने के लिए सुरों पर अद्भुत नियंत्रण चाहिए। प्रतियोगी अंकिता प्रधान ने इस गीत से सबका दिल जीता और श्रेया घोषाल ने मंच पर खुद इसे गाकर उस भाव को और गहराई दी। उन्होंने न सिर्फ. गीत की बारीकियों को समझाया बल्कि अंकिता की मेहनत और प्रतिभा को भी उजागर किया।

ठाणे में मोरया एंटरटेनमेंट द्वारा द फोक आख्यान कार्यक्रम

ठाणे (उत्तरशक्ति)। ठाणे के लोगों के लिए नव वर्ष की पूर्व संध्या पर एक विशेष उत्सव मनाया जाएगा। गुड़ी पड़वा की पूर्व संध्या पर ठाणे के दर्शकों के लिए एक अविस्मरणीय लोक कला उत्सव का आयोजन किया जाएगा। ठाणे महाराष्ट्र में ही नहीं, पूरी दुनिया में चर्चित कार्यक्रम द फोक आख्यान ठाणे के दर्शकों के सामने प्रस्तुत होने जा रहा है। मोरया एंटरटेनमेंट द्वारा आयोजित द फोक आख्यान का भव्य आयोजन 19 मार्च, 2026 को टीएमसी मैदान, हीरानंदानी एस्टेट, ठाणे में किया जाएगा। इस संबंध में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए बुधवार को ठाणे के आर मॉल स्थित आईलीफ रिट्ज बैंक्वेट्स में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में संगीतकार हर्ष विजय, लामनबंधु ईश्वर अंधारे, निमार्ता रंजीत गुगले और भूषण मेहरे, मोरया एंटरटेनमेंट के संस्थापक और आयोजक विशाल गरगोटे, उद्यमी प्रतिश अंबेकर, आईलीफ रिट्ज बैंक्वेट्स के संस्थापक और प्रबंध निदेशक और गायक उपस्थित थे और उन्होंने मीडिया से बातचीत की। कार्यक्रम आयोजक विशाल गरगोटे ने बताया कि टिकटों की कीमतें उचित रखी गई हैं ताकि आम दर्शक अपने परिवार के साथ ठाणे में आयोजित इस शानदार लोक कला कार्यक्रम का आनंद ले सकें। लोक संगीत महाराष्ट्र की अनमोल धरोहर है। अभंग, भारुद, लावणी, गौलानी जैसी लोक संगीत की कई विधाएँ हमारी संस्कृति में गहराई से समाई हुई हैं। हालांकि, बदलते समय में ये

कलाएँ धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही हैं। इसी पृष्ठभूमि में, युवा कलाकार एक साथ आकर आधुनिक प्रस्तुतियों के माध्यम से लोक कला को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का प्रयास कर रहे हैं। इस कार्यक्रम के सभी गीत ईश्वर अंधारे द्वारा लिखे गए हैं और हर्ष विजय द्वारा संगीतबद्ध किए गए हैं। इसमें विभिन्न मराठी लोकगीतों को प्रस्तुत किया गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोक कलाकारों की कला को उचित सम्मान दिलाना और लोक संगीत की विरासत को युवा पीढ़ी तक पहुंचाना है। परंपरा, संगीत और नई प्रस्तुतियों का संगम ॠद फोक आख्यानॠ मराठी लोक संगीत की महिमा को लोगों तक पहुंचाने का एक नया तरीका साबित हो रहा है। इस कार्यक्रम का निर्माण रंजीत गुगले और भूषण मेहरा ने किया है।

मोरया एंटरटेनमेंट के बारे में संक्षेप में मोरया एंटरटेनमेंट पिछले 11 वर्षों से इवेंटऔर मनोरंजन क्षेत्र में अग्रणी रहा है। इस कंपनी के माध्यम से मुंबई, पुणे और देश के अन्य शहरों में गुणवत्तापूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए गए है। इसका एक उदाहरण यह है कि मार्च 2024 में उन्होंने जियो वर्ल्ड गार्डन में पहली बार प्रसिद्ध पार्श्व गायिका आशा भोसले का भारत का सबसे बड़ा संगीत कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में कई प्रसिद्ध कलाकार उपस्थित थे। इसके साथ ही उन्होंने सोनू निगम लाइव, श्रेया घोषाल लाइव, कैलाश खेर लाइव इन कॉन्सर्ट, हरिहरन लाइव इन सभी भव्य कार्यक्रमों के आयोजन के माध्यम से उन्होंने हमेशा अपनी मराठी भाषा को संरक्षित रखा है। एक मराठी उद्यमी के रूप में उन्होंने हमेशा मराठी कार्यक्रमों का आयोजन किया है, जिनमें राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता महेश काले, सुदेश भोसले और अन्य कलाकारों के कार्यक्रम शामिल हैं।'द फोक आख्यान' कार्यक्रम महाराष्ट्र में काफी लोकप्रिय है। लेकिन विशाल गरगोटे ने इसके अलावा, मोरया एंटरटेनमेंट को दुबई और अबू धाबी में, यानी विदेशों में, पहली बार 'द फोक आख्यान' कार्यक्रम आयोजित करने का गौरव प्राप्त है।

16 मार्च को जगद्गुरु रामानंदाचार्य नरेंद्राचार्यजी की पावन पादुकाओं का पूजन व दर्शन कार्यक्रम

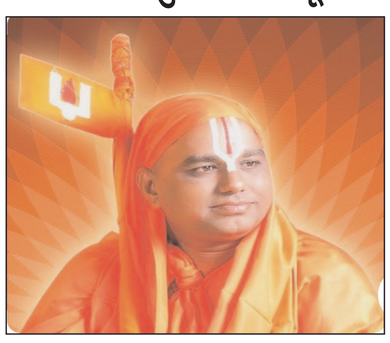

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के डहाणू (पश्चिम) स्थित लायन्स क्लब मैदान, जलाराम बापू मंदिर के समीप सोमवार 16 मार्च 2026 को सुबह 10 बजे जगद्गुरु रामानंदाचार्य नरेंद्राचार्यजी की पावन पादुकाओं का पूजन, दर्शन व आध्यात्मिक प्रवचन का भव्य आयोजन किया जायेगा। इस कार्यक्रम का आयोजन रामानंद संप्रदाय, पश्चिम पालघर जिला की ओर से किया जा रहा है।

कार्यक्रम की शुरूआत परमपूज्य रामानंदाचार्यजी की पावन पादुकाओं की भव्य शोभायात्रा से होगी। इस शोभायात्रा में ढोल-ताशे, टाल-मृदंग की गूंज, वारकरी पथक, कलशधारी सुहागिन महिलाएं तथा आध्यात्मिक एवं सामाजिक संदेश देने वाले विभिन्न पथक शामिल होंगे, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्ति व उत्साह का वातावरण बनेगा। इसके बाद श्रद्धालुओं को पावन पादुकाओं के पूजन, दर्शन तथा आध्यात्मिक प्रवचन का लाभ प्राप्त होगा। आयोजकों ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं व नागरिकों से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में उपस्थित होकर इस धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होकर पुण्य लाभ प्राप्त करें।

पालघर में घरेलू गैस की आपूर्ति सुचारु, लोग अफवाहों पर ध्यान न दें : जिलाधिकारी डॉ. इन्दुरानी जाखड़

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले में घरेलू एलपीजी गैस की कमी को लेकर कुछ स्थानों पर अफवाहें फैलने की खबरें सामने आई हैं। हालांकि प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पालघर जिले में घरेलू गैस की आपूर्ति पूरी तरह से सुचारु रूप से जारी है और किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। यह जानकारी जिलाधिकारी डॉ. इंदु रानी जाखड़ ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

जिलाधिकारी ने नागरिकों से अपील की है कि वे गैस की कमी से जुड़ी अफवाहों पर विश्वास न करें और अनावश्यक रूप से गैस सिलेंडर जमा करने का प्रयास न करें। प्रशासन ने यह भी चेतावनी दी है कि घरेलू एलपीजी सिलेंडर का उपयोग केवल घरेलू कामों के लिए ही किया जाना चाहिए। यदि इसका उपयोग व्यावसायिक या किसी अन्य अनधिकृत कार्य के लिए किया गया तो संबंधित व्यक्ति या संस्थान के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। प्रशासन ने बताया कि पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों तथा तेल विपणन कंपनियों भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के नियमों के अनुसार गैस सिलेंडर की जमाखोरी व कालाबाजारी रोकने के लिए दो सिलेंडर बुकिंग के बीच कम से कम 25 दिनों का अंतर रखना अनिवार्य है। यानी एक सिलेंडर की डिलीवरी के 25 दिन बाद ही अगले सिलेंडर की बुकिंग की जा सकती है। जिले के सभी गैस वितरकों को निर्देश दिए गये हैं कि ग्राहक द्वारा बुकिंग करने के बाद नियमानुसार यथाशीघ्र गैस सिलेंडर की डिलीवरी सुनिश्चित करें। बुकिंग से संबंधित किसी भी तकनीकी समस्या की स्थिति में नागरिकों को अपनी संबंधित गैस एजेंसी से संपर्क करने की सलाह दी गई है। जनता की शिकायतों के समाधान के लिए जिला प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर 02525-297474 और 8983456947 (व्हाट्सएप) जारी किये हैं। इन नंबरों पर फोन या संदेश के माध्यम से नागरिक अपनी समस्याएं दर्ज करा सकते हैं। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि आश्रम विद्यालयों, अस्पतालों और मध्यान्ह भोजन जैसी आवश्यक सेवाओं के लिए व्यावसायिक गैस सिलेंडर की आपूर्ति भी नियमित रूप से जारी रहेगी। यदि इन सेवाओं में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न होती है तो संबंधित वितरकों के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। जिलाधिकारी डॉ. इंदु रानी जाखड़ ने नागरिकों से संयम बनाये रखने और गैस का नियमित उपयोग करते हुए प्रशासन का सहयोग करने की अपील की है।

गैस सिलेंडर वृद्धि के खिलाफ कांग्रेसियों का आंदोलन

कल्याण(उत्तरशक्ति)। एलपीजी गैस की कीमतों में हुई वृद्धि को लेकर कांग्रेस आक्रामक हो गई है। कल्याण में कांग्रेस के कार्यकताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। ईरान और इजराइल-अमेरिका में जारी जंग के कारण भारत में एलपीजी गैस सप्लाई बाधित हुई है। कई शहरों में गैस की किल्लत महसूस हो रही है। इस बीच केंद्र सरकार ने गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ा दी है। कमर्शियल सिलेंडरों में 115 रुपये प्रति सिलेंडर तो घरेलू सिलेंडरों में 60 रुपये प्रति सिलेंडर की वृद्धि की गई है। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेसियों ने मोर्चा निकाला। मोर्चे में शामिल कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की और कल्याण तहसीलदार कार्यालय के मुख्य प्रवेशद्वार के सामने चूल्हे पर रोटी

बनाकर बढ़ी हुई कीमतों का पुरजोर विरोध किया। आंदोलन में कांग्रेस के जिलाध्यक्ष राजाभाऊ पातकर, प्रदेश सचिव नवीन सिंह, युवक जिल्हाध्यक्ष जपजीत सिंह माटा उर्फ बॉबी, नगरसेविका कांचन कुलकर्णी, मुन्ना तिवारी, राजेश वाघमारे, प्रकाश उर्फ मामा पगारे सहित बड़ी सांख्य में कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस दौरान जिलाध्यक्ष राजाभाऊ पातकर ने गैस सिलेंडर की कीमतों में हुई बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि एक तरफ सरकार दावा कर रही है कि देश में एलपीजी गैस का स्टॉक मौजूद है। दूसरी तरफ गैस की कीमतों में बढ़ोतरी कर सरकार ने आम जनता के साथ अन्याय किया है।

राज्य उत्पादन शुल्क क्यू विभाग के खिलाफ एक दिवसीय अनशन पर बैठेंगे : जरियाल

मुंबई (उत्तरशक्ति)। राज्य उत्पादन शुल्क विभाग २ (क्यू) विभाग क्षेत्र में चल रहे लक्षदिप, लोटस, झरना ऑर्केस्ट्रा बार को लेकर कई शिकायते मिल चुकी है उसके बावजूद भी क्षेत्र के तीनो आर्केस्ट्रा बारों पर कोई भी कारवाई नहीं हो रही है। जिसको लेकर वरिष्ठ आर टी आय कार्यकर्ता मनोहर जरियाल राज्य उत्पादन शुल्क ७ डीव्हीजन के खिलाफ प्रशासन का ध्यान आर्कषित करने के लिए १९ मार्च को एक दिवशीय अनसन पर बैठने की चेतावनी दि है. जरियाल ने बताया की राज्य उत्पादन शुल्क २ डीव्हीजन के अंतर्गत लक्षदीप, लोटस, सरना ऑर्केस्ट्रा बार को लेकर आयुक्त, अधिक्षक, सह-आयुक्त से संबंधीत अधिकारीयों को कई बार लिखीत शिकायत की है। ये सभी बार सुबह पांच बजे तक चलते

रहते है। जो की नियमों का सरासर उलंघन है। इसमे अधिकारीयो और ऑर्केस्ट्रा बार मालिकों के बडा कनेक्सेसन चल रहा है। जिसको लेकर अधिकारी इन पर कोई जांच या कार्यवाही नहीं करते है। मामले की गंभीरता को देखते हुवे वरिष्ठ अधिकारीयों ने विभाग के निरीक्षक आनंदा कोबळे को जांच करने का निर्देश भी दिया था लेकीन कई महिने बित जाने के बाद भी अभी तक इसके उपर कोई भी कारवाई नहीं की गई है।

जिसको लेकर मनोहर जरियालने अनसन पर बैठने का फैसला कीया है।

आदिवासी बालिका छात्रावास में आग से नुकसान, विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल ने पहुंचाई शैक्षणिक मदद

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के कासा स्थित एकात्मिक आदिवासी विकास प्रकल्प अंतर्गत शासकीय प्राथमिक विद्यालय कांदरवाडी के बालिका छात्रावास में कुछ दिन पहले शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की घटना सामने आई थी। इस आगजनी में छात्रावास की छात्राओं की किताबें, कॉपियां, वाचनालय का साहित्य तथा अन्य आवश्यक शैक्षणिक सामग्री जलकर राख हो गई थी, जिससे छात्राओं की पढ़ाई पर असर पड़ने की स्थिति उत्पन्न हो गई थी।

घटना की जानकारी मिलते ही विश्व हिंदू परिषद - बजरंग दल पालघर जिला के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और छात्रावास की छात्राओं की सहायता के लिए सेवा कार्य किया। इस दौरान कार्यकताओं ने छात्राओं को नई कॉपियां, पेन और अन्य आवश्यक शैक्षणिक सामग्री वितरित की, ताकि उनकी पढ़ाई में किसी प्रकार की बाधा न आये। इस अवसर पर कार्यकताओं ने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग को जरूरतमंद विद्यार्थियों की मदद के लिए आगे आना चाहिए। शिक्षा के माध्यम से ही बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बन सकता है, इसलिए इस तरह की सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणादायी हैं। छात्रावास की छात्राओं तथा प्रबंधन की ओर से विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया गया।

पेपरफ्राई ने लॉन्च किया पेपरफ्राई फॉर बिजनेस

मुंबई। भारत के प्रमुख फर्नीचर और होम मार्केटप्लेस में से एक, पेपरफ्राई ने पेपरफ्राई फॉर बिजनेस लॉन्च करने की घोषणा की है। यह एक नया बिजनेस वर्टिकल है जिसका उद्देश्य देश भर में संगठनों को उनके कमर्शियल स्थानों के डिजाइन, निर्माण और फर्निशिंग में मदद करना है। यह प्लेटफॉर्म पार्टनर कंपनियों के इकोसिस्टम के माध्यम से डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग, सोर्सिंग और प्रोजेक्ट एक्सीक्यूशन को एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराता है, जिससे बड़े इंटीरियर प्रोजेक्ट्स को अधिक कुशल तरीके से मैनेज किया जा सके। आमतौर पर कमर्शियल इंटीरियर प्रोजेक्ट्स में डिजाइन, खरीद, सिविल वर्क और लॉजिस्टिक्स के लिए कई अलग-अलग विक्रेताओं के साथ काम करना पड़ता है, जिससे देरी और समन्वय की समस्याएँ आती हैं। पेपरफ्राई फॉर बिजनेस इन चुनौतियों को एकीकृत और एंड-टू-एंड समाधान देकर दूर करने का प्रयास करता है।

'पेपरफ्राई फॉर बिजनेस' किसी भी प्रोजेक्ट की शुरूआत से लेकर अंत तक पूरी जिम्मेदारी उठाता है इसमें जगह की प्लानिंग और डिजाइनिंग से लेकर, निर्माण, फर्नीचर बनाना, सामान की खरीदारी और उसे सेट (इन्स्टॉल) करना शामिल है। इसके लिए कंपनी अपनी खास डिजाइनिंग और बिल्डिंग की विशेषज्ञता का इस्तेमाल करती है। यह प्लेटफॉर्म कई क्षेत्रों के लिए बनाया गया है, जैसे कि बड़े ऑफिस (कॉर्पोरेट), होटल, रेस्टोरेंट, दुकानें, स्कूल-कॉलेज, अस्पताल और सरकारी प्रोजेक्ट्स। पेपरफ्राई की डिजाइन और प्रोजेक्ट टीमें ग्राहकों के साथ मिलकर ऐसे कार्यस्थल तैयार करती हैं जो उनकी कार्य जरूरतों के अनुसार उपयोगी और विस्तार योग्य हों। इस सेवा में टर्नकी डिजाइन-एंड-बिल्ड क्षमताएँ भी शामिल हैं, जिनमें सिविल वर्क के साथ-साथ इलेक्ट्रिकल और प्लंबिंग इंफ्रास्ट्रक्चर भी शामिल है, जिससे कंपनियाँ अपने प्रोजेक्ट्स को अधिक सुगमता से पूरा कर सकें।

भारत का कमर्शियल इंटीरियर और फिट-आउट बाजार 30 अरब डॉलर से अधिक का माना जाता है और यह लगातार बढ़ रहा है। कॉर्पोरेट ऑफिस, रिटेल नेटवर्क, हॉस्पिटैलिटी प्रोजेक्ट्स और संस्थागत इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार के कारण इस क्षेत्र में तेजी आ रही है। जैसे-जैसे देश में कमर्शियल इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार हो रहा है, वैसे-वैसे भरोसेमंद इंटीरियर एक्सीक्यूशन पार्टनर्स की मांग भी बढ़ने की उम्मीद है। 'पेपरफ्राई फॉर बिजनेस' का उद्देश्य इसी बढ़ती जरूरत को पूरा करना है, ताकि देशभर में इंटीरियर प्रोजेक्ट्स को अधिक कुशलता से पूरा किया जा सके।

गैस डिस्ट्रीब्यूटर पर मनसे की कडी नजर, मनोज चव्हाण ने दी चेतावनी

मुंबई। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच युद्ध का सीधा असर ग्लोबल एनर्जी मार्केट पर पड़ा है। इसका असर भारत में दिखने लगा है और इसका असर देश तक पहुंचने लगा है। सरकार द्वारा घरेलू गैस की कीमत 60 रुपये बढ़ाने से आम लोगों पर महंगाई की मार पड़ रही है। महाराष्ट्र में घरेलू गैस सिलेंडर के डिस्ट्रीब्यूशन पर असर पड़ा है। जगह जगह गैस सिलेंडर पाने के लिए गैस एजेंसियों के सामने लोगों की कतारें बढ़ती जा रही हैं। आम गरीब लोगों की बढ़ती हुई दिक्कतों को देखते हुए मनसे आक्रामक हो गई है। घरेलू गैस की बढ़ती जरूरत को देखते हुए मनसे नेता मनोज चव्हाण ने गैस सिलेंडर वितरण करने वालों को ब्लैक मार्केटिंग न करने की चेतावनी दी है।

मनसे गैस सिलेंडर डिस्ट्रीब्यूटर पर कड़ी नजर रख रही है, यह कहते हुए मनसे नेता मनोज चव्हाण ने कहा कि मैं सरकार से रिक्वेस्ट करता हूं कि इस मामले को जल्द से जल्द सुलझाने की कोशिश करें। मनसे डिस्ट्रीब्यूटर पर जरूर नजर रखेगी और हम उन डिस्ट्रीब्यूटर को नहीं छोड़ेंगे जो ज्यादा कीमत पर सिलेंडर बेचते हैं। वे गैस की कमी का फायदा उठाकर ब्लैक मार्केटिंग करने की कोशिश न करें।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाप हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाप हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

केराकत थाने की पुलिस पर मारपीट और अभद्र व्यवहार का आरोप

नगर पंचायत केराकत की सभासद के घर पुलिस के कथित दुर्व्यवहार का मामला

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के केराकत थाना क्षेत्र में पुलिस पर मारपीट, अभद्र व्यवहार और जातिसूचक शब्दों के प्रयोग का आरोप लगने का मामला सामने आया है। मछलीशहर की सपा विधायक डॉ रागिनी सोनकर ने बुधवार को पुलिस अधीक्षक जौनपुर को पत्र लिखा है। विधायक ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

विधायक डॉ.रागिनी ने पुलिस अधीक्षक जौनपुर को भेजे गए पत्र में बताया कि नगर पंचायत केराकत के नालापार वार्ड की सभासद मंजू सोनकर के घर 4 मार्च (होली के दिन) थाना केराकत के प्रभारी निरीक्षक व अन्य पुलिसकर्मी पहुंचे। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने घर में घुसकर अभद्र व्यवहार किया, गाली-गलौज की तथा मारपीट भी की।

पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि इस दौरान जातिसूचक शब्दों

विधायक डॉ.रागिनी सोनकर ने एसपी से की निष्पक्ष जांच की मांग

का प्रयोग किया गया जिससे पीड़ित परिवार को मानसिक और शारीरिक क्षति पहुंची। विधायक ने इस घटना को अत्यंत गंभीर और निंदनीय बताते हुए कहा कि इस प्रकार की घटनाएं पुलिस विभाग की गरिमा के विपरीत हैं और इससे आम जनता में भय व असंतोष की स्थिति पैदा होती है। विधायक ने कहा कि यदि पुलिसकर्मियों द्वारा किसी भी नागरिक के साथ अभद्र व्यवहार, मारपीट या जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया गया है तो यह बेहद गंभीर मामला है। उन्होंने एसपी से इस प्रकरण की उच्चस्तरीय व निष्पक्ष जांच कराकर दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके।भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने वाली एजेंसियों की जिम्मेदारी है कि जनता के साथ संवेदनशील और कानूनसम्मत व्यवहार करें।

मारुति एजेंसी के सामने सड़क धंसी, गड्ढे में पलट रहे ई-रिक्शा; धुलाई के पानी पर उठे सवाल

अब इस समस्या का श्रेय लेने कोई राजनीतिक दल क्यों नहीं आ रहा?

रिपोर्टः डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के कुतुबपुर क्षेत्र स्थित कृति कुंज में Maruti Suzuki Arena (Kriti Kunj) के सामने सड़क पर गहरा गड्ढा बन जाने से आए दिन हादसे हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि एजेंसी में गाड़ियों की धुलाई के बाद निकलने वाला पानी सड़क पर बहने के कारण सड़क धंस गई है, जिससे ई-रिक्शा और दोपहिया वाहन अक्सर पलट जाते हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढों में पानी भर जाने से वह तालाब जैसा दिखाई देता है। ऐसे में वहां से गुजरने वाले वाहन असंतुलित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं और सवार लोग गिरकर चोटिल हो जाते हैं।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह मार्ग National Highway 135A से जुड़ा हुआ है, जो Ayodhya Dham जाने वाले प्रमुख मार्गों में शामिल है। इसी रास्ते से Varanasi, Mirzapur और Shahganj समेत कई स्थानों के लिए लोगों का आवागमन होता है। साथ ही यह मार्ग Sheetla Mata Mandir Jaunpur जाने का भी प्रमुख रास्ता है।

लोगों का आरोप है कि एजेंसी के सामने सड़क किनारे की लगभग चार फुट चौड़ी पटरी पर भी अतिक्रमण कर पार्किंग बना दी गई है और दोनों ओर बड़े-बड़े साइन बोर्ड लगा दिए गए हैं। इससे सड़क की वास्तविक चौड़ाई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है और दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है।

जब उत्तरशक्ति न्यूज के उप संपादक इम्तियाज अहमद ने मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लिया तो यह भी सामने आया कि एजेंसी परिसर से एक पुलिया के माध्यम से धुलाई का पानी सड़क की ओर बहता दिखाई दे रहा था, जबकि आसपास के अन्य मकानों से ऐसा कोई पानी नहीं निकल रहा था। एजेंसी के मालिक से दूरभाष के माध्यम से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनका फोन नहीं उठ सका।

दिलचस्प बात यह है कि कुछ माह पहले ही जौनपुर शहर को रिंग रोड की सौगात मिली थी, जिसके श्रेय को लेकर कई राजनीतिक दलों के नेताओं के बीच मानो होड़ मची हुई थी। कई नेताओं ने Nitin Gadkari के साथ तस्वीरें साझा कर यह जताने की कोशिश की कि रिंग रोड को जौनपुर तक लाने में उनका बड़ा योगदान रहा है।

लेकिन अब जब मुख्य मार्ग पर गंदा पानी भरने और सड़क धंसने से आम लोगों की जान जोखिम में पड़ रही है, तो इस समस्या को लेकर कोई भी राजनीतिक दल या जनप्रतिनिधि आगे आता नजर नहीं आ रहा है। स्थानीय लोग सवाल उठा रहे हैं कि विकास के श्रेय की राजनीति तो खूब होती है, लेकिन जब जनता की परेशानी दूर करने की बात आती है तो जिम्मेदारी लेने वाला कोई नहीं दिखता।

स्थानीय लोगों की मांगः स्थानीय नागरिकों का कहना है कि उन्होंने कई बार इस समस्या की शिकायत की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क की जल्द मरम्मत कराई जाए और सड़क पर बह रहे पानी की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए, ताकि भविष्य में होने वाले हादसों को रोका जा सके।

सेवा, सुशासन और विकास के नए आयाम गढ़ रहा शाहगंजः विधायक

जनसंवाद से त्वरित समाधान, गाँव-गाँव सड़क और मजबूत बिजली व्यवस्था से क्षेत्र में विकास को मिली नई गति

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज विधानसभा क्षेत्र में विधायक रमेश सिंह के नेतृत्व में पिछले चार वर्षों में विकास कार्यों को नई दिशा मिली है। जनसुनवाई, आधारभूत ढांचे के सुदृढ़ीकरण और जनता के साथ निरंतर संवाद के जरिए क्षेत्र में विकास और खुशहाली का माहौल बनाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण पहल की गई हैं।

विधायक रमेश सिंह ने अपने चार वर्ष के कार्यकाल को जनता की सेवा, सुशासन और समर्पित नेतृत्व को समर्पित बताया। उन्होंने कहा कि शाहगंज विधानसभा के सर्वांगीण विकास के संकल्प के साथ लगातार कार्य किए जा रहे हैं, ताकि क्षेत्र की जनता को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

उन्होंने बताया कि 'जनता दर्शन' कार्यक्रम के माध्यम से लोगों की समस्याओं को सीधे सुनकर उनका त्वरित समाधान कराया जा रहा है। इससे जनता और जनप्रतिनिधि के बीच संवाद मजबूत हुआ है और

आम लोगों की परेशानियों का समय पर निस्तारण हो पा रहा है।

विधायक ने कहा कि क्षेत्र में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। गाँव से लेकर नगर तक सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा अन्य विकास योजनाओं को गति देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

विधायक ने कहा कि शाहगंज विधानसभा के विकास और खुशहाली के लिए हम पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। जनता का जो विश्वास और आशीर्वाद हमें मिला है, उसी के बल पर क्षेत्र को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाने का प्रयास जारी है। आने वाले समय में भी विकास कार्यों की गति और तेज की जाएगी।

उन्होंने क्षेत्र की जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लोगों के स्नेह और सहयोग से ही विकास की यह यात्रा संभव हो पाई है और आगे भी इसी विश्वास के साथ जनसेवा जारी है।

पूर्वांचल विश्वविद्यालयः ऑयस्टर मशरूम उत्पादन बढ़ाने की नई तकनीक विकसित

शोध एल्सेविएर की अंतरराष्ट्रीय पत्रिका बायोरेसोर्स टेक्नोलॉजी रिपोर्ट्स में प्रकाशित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के बायोटेक्नोलॉजी विभाग में हुए शोध में ऑयस्टर मशरूम के उत्पादन को बढ़ाने के लिए एक नई और प्रभावी तकनीक विकसित की गई है। यह महत्वपूर्ण शोध अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन संस्था एल्सेविएर की प्रतिष्ठित शोध पत्रिका ह्लबायोरेसोर्स टेक्नोलॉजी रिपोर्ट्सह्व में ऑनलाइन प्रकाशित हुआ है, जिसका इम्पैक्ट फैक्टर चार से अधिक है।

इस शोध में बरमूडा घास और प्रयुक्त मशरूम सब्सट्रेट के मिश्रण का उपयोग कर मशरूम उत्पादन की नई पद्धति विकसित की गई है। अध्ययन में पाया गया कि इस मिश्रण के उपयोग से न केवल मशरूम की पैदावार बढ़ती है, बल्कि उसकी पोषण गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार होता है।

यह शोध कार्य बायोटेक्नोलॉजी विभाग के शोधकर्ता रोशन लाल गौतम ने विभाग के प्रो. राम नारायण के निर्देशन में किया। अध्ययन के दौरान बरमूडा घास और एसएमएस को अलग-अलग अनुपातों में मिलाकर मशरूम की खेती की गई। परिणामों में यह सामने आया कि 80 प्रतिशत बरमूडा घास और 20 प्रतिशत एसएमएस का संयोजन सबसे अधिक प्रभावी रहा। इस संयोजन में मशरूम के माइसीलियम का विकास बहुत तेजी से हुआ और केवल 16 दिनों में पूरा माइसीलियल रन पूरा हो गया।

शोध के अनुसार इसी संयोजन में मशरूम की कुल उपज लगभग 1711 ग्राम दर्ज की गई, जबकि जैविक दक्षता 336.4 प्रतिशत रही, जो अन्य सभी संयोजनों की तुलना में सबसे अधिक है। वैज्ञानिकों ने यह भी पाया कि एसएमएस के उपयोग से मशरूम की पोषण गुणवत्ता जैसे प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और खनिज तत्वों में भी वृद्धि होती है।

यह तकनीक मशरूम उत्पादन को अधिक टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल बनाने में मददगार साबित हो सकती है। प्रयुक्त मशरूम सब्सट्रेट के पुनः उपयोग से कृषि अपशिष्ट को उपयोगी जैव उत्पाद में बदला जा सकता है, जिससे पर्यावरण प्रदूषण भी कम होगा।

शोधकताओं के अनुसार यह तकनीक किसानों और मशरूम उत्पादकों के लिए आर्थिक रूप से लाभकारी साबित हो सकती है और भविष्य में मशरूम आधारित कृषि को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

शोधकर्ता रोशन लाल गौतम जौनपुर के निवासी हैं और वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग में शोधकर्ता हैं। उनका शोध कार्य मुख्य रूप से मशरूम प्रौद्योगिकी, लिग्नोसेलुलोजिक एंजाइम, जीन अभिव्यक्ति, सूक्ष्मविज्ञान तथा जैव रसायन जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित है।

सहज जनसेवा केंद्र संचालक को बदमाशों ने मारी गोली, हालत गंभीर; बाइक-बैग लेकर फरार

जफराबाद, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के गोसाईपुर गांव के पास बुधवार की रात बाइक सवार बदमाशों ने एक सहज जनसेवा केंद्र संचालक को गोली मार दी। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश उनकी बाइक, बैग और एक मोबाइल लेकर फरार हो गए। घायल युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है और उसे जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोसाईपुर गांव निवासी प्रेमचंद यादव पुत्र तेजू यादव गांव से करीब सवा किलोमीटर दूर गोसाईपुर चौराहे पर सहज जनसेवा केंद्र चलाते हैं। बुधवार की रात लगभग नौ बजे वह अपना केंद्र बंद कर बाइक से घर लौट रहे थे।

बताया जाता है कि केंद्र से करीब 500 मीटर दूर ब्राह्मण बस्ती के पास पहुंचते ही एक बाइक पर सवार कुछ बदमाशों ने उन्हें रोक लिया और अचानक गोली चला दी। गोली उनके सीने और पेट के बीच लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। वारदात के बाद बदमाश उनकी बाइक, बैग और एक मोबाइल लेकर मौके से फरार हो गए।

गोली लगने के बाद घायल प्रेमचंद किसी तरह भागकर पास की ब्राह्मण बस्ती में पहुंचे और लोगों से मदद की गुहार लगाई। सूचना मिलने पर ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान को बुलाया और उन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार चल रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही Shriprakash Shukla, थानाध्यक्ष Jafarabad Police Stationमय पुलिस बल मौके पर पहुंच गए और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने में जुट गए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है और बदमाशों की तलाश जारी है।

जिलापूर्ति अधिकारी की छापेमारी में 60 घरेलू गैस सिलेंडर बरामद, क्षेत्र में मचा हड़कंप

जफराबाद, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के कल्याणपुर बाजार में गुरुवार दोपहर जिलापूर्ति विभाग की टीम ने छापेमारी कर 60 घरेलू गैस सिलेंडर बरामद किए। इस कार्रवाई से पूरे बाजार में हड़कंप मच गया और व्यापारियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार Santosh Vikram Shahi को कल्याणपुर बाजार में घरेलू गैस सिलेंडरों को अवैध रूप से जमा कर बेचने की शिकायत मिली थी। सूचना मिलते ही जिलापूर्ति अधिकारी अपनी टीम के साथ कल्याणपुर स्थित एक सीएससी केंद्र पर पहुंचे और वहां जांच शुरू की।

जांच के दौरान गोदाम से करीब 60 घरेलू गैस सिलेंडर बरामद किए गए। बताया जा रहा है कि बरामद सभी सिलेंडर तीन अलग-अलग गैस कंपनियों के हैं। अधिकारियों ने सभी सिलेंडरों को तत्काल सीज कर गोदाम में भिजवा दिया। कार्रवाई के दौरान बाजार के व्यापारियों में हड़कंप मचा रहा। आसपास के लोग भी मौके पर जुट गए और पूरे क्षेत्र में इस कार्रवाई की चर्चा होती रही।

इस संबंध में जिलापूर्ति अधिकारी संतोष विक्रम शाही ने बताया कि शिकायत मिलने पर छापेमारी की गई, जिसमें 60 घरेलू सिलेंडर बरामद हुए हैं। सभी सिलेंडरों को सीज कर दिया गया है और मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों को दे दी गई है। उन्होंने कहा कि गोदाम संचालक के खिलाफ नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

रोजा इफ्तार प्रेम, भाईचारे और आपसी सौहार्द का प्रतीकः श्यामलाल पाल

सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल और पूर्व ऊर्जा मंत्री शैलेंद्र यादव ललई की मौजूदगी में रोजा इफ्तार

रोजा इफ्तार में दिखी भाईचारे, सादगी और अपनेपन की झलक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज विधानसभा क्षेत्र में बुधवार की देर शाम एक होटल में आयोजित रोजा इफ्तार कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल, सपा अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश अध्यक्ष मो. शकील नदवी तथा गोपालपुरझआजमगढ़ के विधायक नफीस अहमद सहित क्षेत्रवासियों ने भारी संख्या में हिस्सा लिया।

रोजा इफ्तार कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने क्षेत्रवासियों से आत्मीय मुलाकात की और रमजान के पवित्र महीने में आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में सभी ने एक साथ इफ्तार कर एकता और सद्भाव की मिसाल पेश की।

सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने कहा कि रमजान का महीना संयम, त्याग और इंसानियत का संदेश देता है। रोजा इफ्तार जैसे कार्यक्रम समाज में प्रेम, भाईचारे और आपसी सौहार्द को मजबूत करने का माध्यम बनते हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की राजनीति करती रही है। पूर्व ऊर्जा एवं नियोजन राज्यमंत्री शैलेंद्र यादव ललई ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी विश्वास और एकता की भावना मजबूत होती है। उन्होंने सभी रोजेदारों को रमजान की मुबारकबाद देते हुए कहा कि सामाजिक समरसता और भाईचारा ही समाज की असली ताकत है। नदीम अहमद और सैयद उरूज ने आभार व्यक्त किया।

मृतक ललई यादव के परिवार से मिले वरिष्ठ अधिवक्ता विजय बहादुर यादव, जताई संवेदना

सरकार से आर्थिक सहायता और परिवार की सुरक्षा की उठाई मांग

शुभम कुमार यादव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र में होली के दिन हुई एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे इलाके को शोक और आक्रोश में डुबो दिया है। इस घटना में ललई यादव नामक व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर दी गई। बताया जाता है कि ललई यादव पेशे से ड्राइवर थे और उसी से अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके असमय निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और अब परिजनों के सामने आर्थिक, मानसिक और सामाजिक संकट खड़ा हो गया है। घटना के बाद दीवानी न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता [illegible] मृतक के घर पहुंचे और परिवार के लोगों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि इस कठिन समय में समाज के सभी लोगों को पीड़ित परिवार के साथ खड़ा होना चाहिए और हर संभव मदद करनी चाहिए। परिजनों के अनुसार होली के दिन कुछ दबंग किस्म के लोगों ने ललई यादव को घेर लिया और बेरहमी से मारपीट की। बताया गया कि छोटी-सी बात को लेकर विवाद बढ़ा और कई लोगों ने मिलकर उन्हें इतना पीटा कि वे

बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े। मृतक की पत्नी ममता ने रोते हुए बताया कि जब आरोपियों को लगा कि ललई यादव की मौत हो चुकी है तो वे वहां से जाने लगे, लेकिन जैसे ही उन्होंने हल्की हरकत की, हमलावर वापस लौट आए और उनके सीने पर चढ़कर गर्दन दबा दी। इस दौरान उनके मुंह से खून निकलने लगा और कुछ ही देर में उनकी मौत हो गई। परिजनों का यह भी आरोप है कि घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी जाते-जाते यह धमकी देकर गए कि जो भी उनसे टकराएगा उसका यही अंजाम होगा। इस धमकी के कारण परिवार और आसपास के लोग भय के माहौल में जी रहे हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता विजय बहादुर यादव ने घटना को बेहद दुखद, अमानवीय और निंदनीय बताते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं समाज में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा करती हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता दी जाए ताकि परिवार का भरण-पोषण हो सके। साथ ही उन्होंने प्रशासन से यह भी मांग की कि मृतक के परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाए और इस मामले में शामिल सभी आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके। इस दर्दनाक घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। स्थानीय लोग पीड़ित परिवार के प्रति सहानुभूति जता रहे हैं और प्रशासन से जल्द कार्रवाई की उम्मीद कर रहे हैं।

विज्ञान शिक्षक के रूप में चयनित होने पर धर्मेंद्र यादव का ग्रामवासियों ने किया सम्मान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर तहसील अंतर्गत स्थित शाहपुर सानी गांव निवासी धर्मेंद्र यादव पुत्र बीपत यादव का भदोही जिले के जूनियर हाई स्कूल में विज्ञान शिक्षक के रूप में चयनित होने पर आज ग्रामवासियों द्वारा उनका भव्य सम्मान किया गया। अत्यंत विनम्र, शालीन और सहयोगी प्रवृत्ति

के धर्मेंद्र यादव का विज्ञान शिक्षक के रूप में चयन होने पर लोगों ने खुशी जाहिर की है। आज सम्मान समारोह में ग्राम प्रधान चंद्रशेखर यादव, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, पूर्व प्रधानाचार्य रामबाबू यादव, लालता यादव, हृदय नारायण सिंह, ब्रिजलाल यादव, जगपत यादव, शिवनारायण यादव, अनिल कुमार यादव, शैलेंद्र यादव, मुकेश यादव, नंदलाल यादव, आलोक यादव, पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य कमल कुमार यादव, विकास यादव, विवेक यादव समेत अनेक लोग उपस्थित रहे। चंद्रशेखर यादव ने कहा कि यह पूरे गांव ही नहीं अपितु पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। उन्होंने धर्मेंद्र यादव के साथ-साथ उनके पिता बीपत यादव को भी माला पहनाकर बधाई दी।

महिला सशक्तिकरण समाज की प्रगति की मजबूत आधारशिलाः रमेश सिंह

विधायक रमेश सिंह ने अपने पैतृक आवास बस्ती बंदगान पर आजीविका मिशन की महिला समूह सदस्यों से किया संवाद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज क्षेत्र के पैतृक आवास बस्ती बंदगान पर विधायक रमेश सिंह ने गुरुवार को आजीविका महिला मिशन समूह की महिला सदस्यों से भेंट कर उनसे आत्मीय संवाद किया। इस दौरान उन्होंने महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता कर आवश्यक निर्देश भी दिए। विधायक रमेश सिंह ने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण ही समाज और राष्ट्र की प्रगति की सबसे मजबूत आधारशिला है। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई योजनाएं चला रही हैं, जिससे गांव-गांव की महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं।

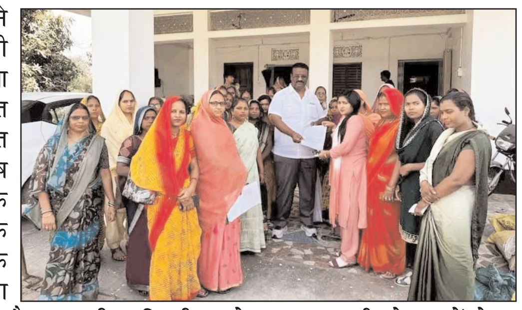

उन्होंने महिला समूह की सदस्यों से उनकी गतिविधियों, आजीविका के साधनों और समूह संचालन से जुड़ी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। महिलाओं ने भी अपनी विभिन्न समस्याओं और जरूरतों को विधायक के सामने रखा। इस पर विधायक ने तत्काल संबंधित अधिकारियों से फोन पर बात कर समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण का संकल्प धरातल पर साकार हो रहा है। सरकार की योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को रोजगार, प्रशिक्षण और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे वे अपने परिवार और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र की महिलाओं की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाएगा और उन्हें हर संभव सहयोग दिया जाएगा।

आदिवासी महिला की जमीन कब्जाने के आरोप में पिता-पुत्रों पर दर्ज होगी एफआईआर, कोर्ट का आदेश

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। आदिवासी महिला की जमीन पर कब्जा करने के आरोप में विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट सोनभद्र की अदालत ने चोपन पुलिस को एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। अदालत ने यह भी निर्देश दिया है कि मामले की विवेचना क्षेत्राधिकारी (सीओ) से कराई जाए और उसकी रिपोर्ट न्यायालय को प्रस्तुत की जाए। यह आदेश विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट आबिद शमीम की अदालत ने दिलवा उर्फ देवंती पत्नी सुरेश, निवासी कोटा थाना चोपन, जनपद सोनभद्र की ओर से अधिवक्ता सीपी द्विवेदी व आनंद ओझा के माध्यम से दायर धारा 173(4) बीएनएसएस के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए गुरुवार को दिया। प्रार्थना पत्र में आदिवासी महिला ने आरोप लगाया कि वह अनुसूचित जनजाति की महिला है। बीते 25 जनवरी 2026 की सुबह लगभग 9 बजे गांव के ही रहने वाले कामेश्वर जायसवाल पुत्र तुलसी जायसवाल तथा उनके पुत्र अनिल जायसवाल व सुनील जायसवाल ने उसकी पट्टे की जमीन पर जबरन कब्जा कर लिया। विरोध करने पर आरोपियों ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता का कहना है कि उसने घटना की सूचना स्थानीय थाने को दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद 9 फरवरी 2026 को रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से पुलिस अधीक्षक सोनभद्र को भी शिकायत भेजी, फिर भी कार्रवाई नहीं की गई। न्याय न मिलने पर उसने अदालत का दरवाजा खटखटाया। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने इसे गंभीर अपराध मानते हुए चोपन इंस्पेक्टर को निर्देश दिया कि आरोपित कामेश्वर जायसवाल, अनिल जायसवाल और सुनील जायसवाल के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना सीओ से कराई जाए तथा उसकी प्रगति से न्यायालय को अवगत कराया जाए।

गैस सिलेंडर को लेकर मचा हाहाकार, केराकत में रसोई गैस की किल्लत

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत क्षेत्र भर में गैस सिलेंडर के लिए हाहाकार और हो हल्ला मचा हुआ है। लोगों द्वारा अपनें मोबाइल से गैस सिलेंडर बुक कर रहे हैं। नहीं होने पर गैस एजेंसियों का चक्कर लगा रहे हैं। इतना ही नहीं व्यापारी से लेकर ग्रामीण अंचल तक गैस के लिए लोग हैरानों परेशान नजर आ रहे हैं। गैस को लेकर सरकार का सिस्टम फेल हो गया है। जिम्मेदार अधिकारियों को जनता की परेशानियों को देखते हुये इस ओर ध्यान देने की जरूरत है। ताकि गैस सिलेंडर बिकुंग की समस्या से निजात मिल सके। लेकिन अधिकारी मस्त हैं जनता गैस सिलेंडर बिकुंग की समस्या को लेकर पस्त हैं। गैस को लेकर सरकार का सिस्टम बेलकुल फेल होता हुआ नजर आ रहा है। अधिकारी मस्त हैं। जिम्मेदार अधिकारियों को न तो सरकार के सिस्टम से मतलब है न तो उपभोक्ताओं से कोई मतलब है। जब की गोदामों में गैस सिलेंडर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। लेकिन सरकार द्वारा जो बुकिंग का पोर्टल चलाया जा रहा है वह फेल नजर आ रहा है। बुकिंग करनें पर बुकिंग नहीं हो पा रही है। उपभोक्ताओं द्वारा गैस बुकिंग करनें में परेशानी हो रही है। क्षेत्र की जनता नें बताया कि घण्टों मोबाइल से बुक किया जा रहा है गैस सिलेंडर बुक नहीं हो पा रही है यदि बुक भी हो जा रहा है तो ओटीपी ही नहीं आ रही है। जब की एजेंसीयों पर पर्याप्त मात्रा में गैस सिलेंडर उपलब्ध है। पहले गैस बिना बुकिंग की मिलती थी अब बिना बुकिंग का गैस नहीं मिल रही है।

पीएम किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त आज, जिले में पीएम किसान उत्सव दिवस के रूप में होगा कार्यक्रम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उप कृषि निदेशक वी. बी. द्विवेदी ने बताया कि 13 मार्च 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गुवाहाटी से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 22वीं किस्त जारी की जाएगी। इस अवसर पर जनपद में ह्यपीएम किसान उत्सव दिवस के रूप में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम की सीधा प्रसारण व्यवस्था जनपद के सभी विकास खंडों, कृषि विज्ञान केंद्रों तथा ग्राम पंचायतों में अपराह्न तीन बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक की जाएगी। इसमें स्थानीय जनप्रतिनिधि, सांसद, विधायक, विधान परिषद सदस्य, ग्राम प्रधान, प्रगतिशील किसान तथा सम्मानित कृषक भाग लेंगे। उप कृषि निदेशक ने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्र, किसान उत्पादक संगठन, सहकारिता विभाग, मंडी समिति, प्रधानमंत्री कृषि समृद्धि केंद्र तथा प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लाभार्थियों के वीडियो संदेश कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सामाजिक माध्यमों पर भी साझा किए जाएंगे। कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक, कृषि विशेषज्ञ तथा कृषि विभाग के अधिकारी और कर्मचारी किसानों को विभागीय योजनाओं तथा खेती की नई तकनीकों के बारे में जानकारी देंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत अब तक जनपद के 6,72,370 किसानों का डाटा मुख्यालय को भेजा जा चुका है। जिला प्रशासन ने जनपद के सभी किसान भाइयों और बहनों से अपील की है कि वे पीएम किसान उत्सव दिवस में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर विभागीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें और कृषि की नई तकनीकों का लाभ उठाएं।

वाराणसी में जन प्रकृति सेवा ट्रस्ट की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जन प्रकृति सेवा ट्रस्ट की एक महत्वपूर्ण बैठक वाराणसी में आयोजित की गई, जिसमें संगठन के विस्तार तथा समाज सेवा के कार्यों को धरातल पर प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि ट्रस्ट द्वारा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में जनहितकारी कार्यों को और तेज गति से आगे बढ़ाया जाएगा। बैठक में संगठन के उद्देश्यों और आगामी योजनाओं पर भी चर्चा हुई। ट्रस्ट के माध्यम से जन सेवा, गौ सेवा एवं संरक्षण, जन जागरूकता अभियान, नारी सशक्तिकरण, लघु उद्योग स्थापना, पर्यावरण संरक्षण, तथा बेजुबान पशु-पक्षियों की सेवा जैसे कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर चलाने का निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त संगठन द्वारा स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण अभियान, गरीब एवं जरूरतमंदों की सहायता, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, शिक्षा सहायता अभियान, युवा जागरूकता कार्यक्रम, नशा मुक्ति अभियान, कौशल विकास प्रशिक्षण, गरीब कन्याओं की सहायता, जल संरक्षण अभियान, आपदा राहत सेवा, सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रम, तथा समय-समय पर कार्यकर्ता सम्मान समारोह आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में यह भी तय किया गया कि संगठन के कार्यकर्ताओं को गांव-गांव और शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय कर समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाई जाएगी। सभी पदाधिकारियों ने संकल्प लिया कि संगठन का उद्देश्य केवल नाम मात्र नहीं बल्कि वास्तविक रूप से समाज सेवा के कार्यों को धरातल पर उतारना है। इस अवसर पर संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष रघुवंश उपाध्याय ने कहा कि इस संस्था का का उद्देश्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना और जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में संस्थापक रघुवंश उपाध्याय ,अध्यक्ष ज्योतिका उपाध्याय, कार्यकारी सदस्य रेखा यादव, वाराणसी जिलाध्यक्ष सरोज यादव, किरण देवी समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वाराणसी में जन प्रकृति सेवा ट्रस्ट की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जन प्रकृति सेवा ट्रस्ट की एक महत्वपूर्ण बैठक वाराणसी में आयोजित की गई, जिसमें संगठन के विस्तार तथा समाज सेवा के कार्यों को धरातल पर प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि ट्रस्ट द्वारा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में जनहितकारी कार्यों को और तेज गति से आगे बढ़ाया जाएगा। बैठक में संगठन के उद्देश्यों और आगामी योजनाओं पर भी चर्चा हुई। ट्रस्ट के माध्यम से जन सेवा, गौ सेवा एवं संरक्षण, जन जागरूकता अभियान, नारी सशक्तिकरण, लघु उद्योग स्थापना, पर्यावरण संरक्षण, तथा बेजुबान पशु-पक्षियों की सेवा जैसे कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर चलाने का निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त संगठन द्वारा स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण अभियान, गरीब एवं जरूरतमंदों की सहायता, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, शिक्षा सहायता अभियान, युवा जागरूकता कार्यक्रम, नशा मुक्ति अभियान, कौशल विकास प्रशिक्षण, गरीब कन्याओं की सहायता, जल संरक्षण अभियान, आपदा राहत सेवा, सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रम, तथा समय-समय पर कार्यकर्ता सम्मान समारोह आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में यह भी तय किया गया कि संगठन के कार्यकर्ताओं को गांव-गांव और शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय कर समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाई जाएगी। सभी पदाधिकारियों ने संकल्प लिया कि संगठन का उद्देश्य केवल नाम मात्र नहीं बल्कि वास्तविक रूप से समाज सेवा के कार्यों को धरातल पर उतारना है। इस अवसर पर संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष रघुवंश उपाध्याय ने कहा कि इस संस्था का का उद्देश्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना और जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में संस्थापक रघुवंश उपाध्याय ,अध्यक्ष ज्योतिका उपाध्याय, कार्यकारी सदस्य रेखा यादव, वाराणसी जिलाध्यक्ष सरोज यादव, किरण देवी समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रोटोकॉल का उल्लंघन, खासदार और विधायक के नाम छूटे, कमिश्नर को सस्पेंड करें : भाजपा

वसई-विरार। वसई-विरार म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की वार्ड कमेटी (अ) के नए ऑफिस के उद्घाटन समारोह के इनविटेशन लेटर में महाराष्ट्र सरकार के 20 नवंबर, 2025 के सरकारी सर्कुलर (जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट, सेक्शन 3 और 5) का साफ उल्लंघन किया गया है। भाजपा जिला जनरल सेक्रेटरी मनोज बारोट ने इस मामले में कड़ा विरोध जताया है। सर्कुलर के सेक्शन 5 के मुताबिक, जब लेजिस्लेटिव असेंबली और पार्लियामेंट चल रहे हों, तब ऐसे प्रोग्राम करना साफ तौर पर मना है। फिर भी, एडमिनिस्ट्रेशन ने प्रोग्राम किया। इसके अलावा, जबकि सेक्शन 3 के मुताबिक, रॉयल प्रोटोकॉल के हिसाब से सभी पार्टी के रिप्रेजेंटेटिव के नाम अखबार में छापना जरूरी है, खासदार डॉ. हेमंत सावरा, विधायक श्रीमती स्नेहा दुबे (वसई), विधायक विलास तारे (बोईसर) और गार्डियन मिनिस्टर के नाम नहीं छापे गए। खास बात यह है कि मौजूदा विधायक । राजन नाइक का नाम पूर्व टछअ, स्पीकर और डिप्टी मेयर के नाम पर रखना शाही शिष्टाचार का खुला उल्लंघन है। यह देखकर कि पूरा पेज सिर्फ.बहुजन विकास अघाड़ी के नेताओं से भरा हुआ है, बारोट ने एक तीखा सवाल पूछा, क्या यह प्रोग्राम नगर निगम का है या BVA का? मनोज बारोट ने मांग की कि इस प्रोग्राम को तुरंत कैंसिल किया जाए; कमिश्नर मनोज कुमार सूर्यवंशी को सस्पेंड किया जाए; दोषी अधिकारियों के खिलाफ डिसिप्लिनरी एक्शन लिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि इस बारे में लेजिस्लेटिव असेंबली में अधिकारों के उल्लंघन का नोटिस दिया जाएगा।

टेट की अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों का मशाल जुलूस, प्रधानमंत्री के नाम भेजा ज्ञापन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) की अनिवार्यता के विरोध में यूनाइटेड टीचर एसोसिएशन (यूटा) के जिला अध्यक्ष संजय सिंह के नेतृत्व में गुरुवार को शिक्षकों ने विशाल मशाल जुलूस निकाला। इस दौरान सैकड़ों शिक्षकों ने भाग लेकर सरकार से पुराने शिक्षकों को टेट की अनिवार्यता से मुक्त करने की मांग उठाई।

मशाल जुलूस रोडवेज तिराहा से शुरू होकर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित शहीद स्तंभ पर पहुंचकर समाप्त हुआ। इस दौरान शिक्षा अधिकार अधिनियम (आरटीई) से मुक्त किए जाने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया। जुलूस के दौरान शिक्षकों ने हाथों में मशाल और बैनर लेकर नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को प्रमुखता से उठाया। जिला अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि अनुभव का कोई विकल्प नहीं होता और वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों पर टेट की अनिवार्यता थोपना उनकी योग्यता पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करना है। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने वाले शिक्षकों की योग्यता को केवल एक परीक्षा के आधार पर परखना उचित नहीं है। जिला मंत्री लक्ष्मी नारायण तिवारी ने कहा कि नियुक्ति के समय जो योग्यताएं निर्धारित थीं, उसके बाद सेवा के दौरान नए नियम लागू करना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध है। वहीं जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष चंद्रेश यादव ने कहा कि 10 से 15 वर्षों से बेसिक शिक्षा की नींव मजबूत करने वाले शिक्षकों को मानसिक तनाव में डालना उचित नहीं है। जिला कोषाध्यक्ष डॉ. आशीष सिंह ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए शिक्षकों को तनाव नहीं बल्कि सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने सरकार से मांग की कि पुराने शिक्षकों को टेट की अनिवार्यता से तत्काल मुक्त किया जाए और उनके भविष्य के साथ हो रहे अन्याय को रोका जाए। कार्यक्रम का संचालन जिला संयुक्त मंत्री डॉ. प्रदीप सिंह ने किया। मशाल जुलूस में विभिन्न शिक्षक संगठनों के पदाधिकारी भी शामिल रहे। इस दौरान राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष उपेंद्र प्रताप सिंह, टीएस सिटी के जिला अध्यक्ष अरविंद यादव, शिक्षक नेता आनंद सिंह, अध्यक्ष निशा मिश्रा (यूटा मछलीशहर), प्रमोद शुक्ला (शाहगंज), अजय मिश्रा (मड़ियाहूं), विनोद सिंह (रामनगर), श्रीकृष्ण पांडेय (करंजाकला), प्रदीप सिंह (केराकत), जितेंद्र मिश्रा (रामपुर), संतलाल (बरसठी), राजेश यादव (खुटहन), सरोज सिंह (सुईथाकला) सहित सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे।

यातायात नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई, 1498 वाहनों का चालान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में कानून व्यवस्था को मजबूत करने और यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए गुरुवार को विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। यह अभियान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में यातायात पुलिस और जनपद के सभी थानों की पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया गया। अभियान के तहत जिले के प्रमुख चौराहों, सार्वजनिक स्थानों और संवेदनशील मार्गों पर सघन चेकिंग की गई। पुलिस टीमों ने संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की बारीकी से जांच करते हुए यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान बिना हेलमेट वाहन चलाने, सीट बेल्ट का प्रयोग न करने, तीन सवारी बैठाकर वाहन चलाने तथा बिना वैध दस्तावेजों के वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान जनपद में कुल 1498 वाहनों का चालान किया गया, जबकि 2 वाहनों को सीज कर दिया गया। पुलिस ने आम जनमानस से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और जनपद में सुरक्षा व शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें।

बाइक से पेट्रोल निकालकर युवक ने खुद को लगाई आग, हालत गंभीर

-डॉ. इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के सिद्दीकपुर गांव में एक युवक ने परिवार से नाराज होकर बाइक से पेट्रोल निकालकर खुद को आग लगा ली, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। उसका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार गांव निवासी स्वर्गीय राजकुमार का पुत्र शिवशंकर (18) गुरुवार दोपहर अपने परिवार से मोटरसाइकिल की चाबी मांग रहा था। परिजनों द्वारा चाबी देने से इंकार करने पर वह नाराज हो गया। इसके बाद उसने बाइक से पेट्रोल निकालकर अपने ऊपर डाल लिया और आग लगा ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों और आसपास के लोगों ने किसी तरह आग बुझाकर युवक को गंभीर हालत में जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है। थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार पांडेय ने बताया कि युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सांड से टकराई बाइक, एक की मौत, एक घायल

-कलीम सिद्दीकी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र में पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पास बुधवार शाम एक दर्दनाक हादसे में सांड से टकराकर बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार बेलवा थाना फूलपुर के मूल निवासी संतोष पांडे (पुत्र स्व. महादेव पांडे) अपने मित्र मनोज यादव (40) पुत्र सूबेदार यादव निवासी देवकली थाना सरायख्वाजा के साथ बाइक से सब्जी लेने जा रहे थे। शाम करीब सात बजे पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पास अचानक एक सांड ने बाइक को साइड से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद मौके पर पहुंची 108 एंबुलेंस से दोनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान संतोष पांडे की मौत हो गई। वहीं घायल मनोज यादव का जिला अस्पताल में इलाज जारी है। बताया जाता है कि संतोष पांडे पूर्वांचल विश्वविद्यालय के लाइब्रेरी विभाग में कार्यरत थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर बाइक सवार महिला की मौत

-रियाजुल हक

खुटहन ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रयागराज वाया शाहगंज राजमार्ग पर दौलतपुर गांव में गुरुवार को अज्ञात वाहन की चपेट में आकर बाइक सवार अधेड़ महिला की मौत हो गई। बाइक चला रहे उसके रिस्तेदार को हल्की चोटें आईं। मौके पर पहुंची पुलिस शव कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई पूरी की। मृतका के पुत्र ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ तहरीर दिया है। हैदरपुर गांव निवासी 55 वर्षीय लालती देवी पत्नी रामजियावन गौतम अपनी बहन के पुत्र रवीन्द्र कुमार निवासी गोपालापुर की बाइक पर बैठकर शाहगंज उपचार हेतु जा रही थी। उक्त स्थान पर पीछे से आ रहे किसी चार चक्का वाहन ने टक्कर मार दिया। ललिता देवी सड़क की तरफ गिर गई। सिर में गंभीर चोटें आने से वे बेहोश हो गई। उन्हें उपचार हेतु जिला चिकित्सालय ले जाया जा रहा था कि रास्ते में उनकी मौत हो गई। वहीं बाइक चला रहे रवींद्र को हल्की चोटें आईं। मृतका के पुत्र दीपक गौतम ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ तहरीर दिया है।

जनगणना 2027 की तैयारियां शुरू, अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना की तैयारियों को लेकर गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों एवं चार्ज अधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण शुरू हुआ। प्रशिक्षण का शुभारंभ प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिलाधिकारी डॉ०दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में हुआ। प्रशिक्षण सत्र में जनगणना कार्य निदेशालय के प्रतिनिधि युवराज गर्ग, सांख्यिकीय अन्वेषक ग्रेड-2 ने डिजिटल जनगणना 2027 की प्रक्रिया के तहत सेन्सस मैनेजमेंट एंड मॉनिटरिंग सिस्टम पोर्टल के बारे में अधिकारियों को विस्तार से जानकारी दी। जिलाधिकारी ने सभी जनगणना पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनगणना का कार्य शासन की प्राथमिकता में शामिल है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) परमानंद झा जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अलविदा जुमे से पहले प्रशासन अलर्ट, डीएम-एसपी ने मस्जिदों का किया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आगामी अलविदा जुमा को लेकर जनपद प्रशासन अलर्ट हो गया है। शांति, सुरक्षा और बेहतर व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र और पुलिस अधीक्षक कुवर अनुपम सिंह ने शहर की प्रमुख मस्जिदों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने अटाला मस्जिद, शिया जामा मस्जिद और बड़ी मस्जिद सहित अन्य मस्जिदों का स्थलीय जायजा लिया और वहां की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस दौरान जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि नमाज के दौरान साफ-सफाई, पेयजल, बिजली आपूर्ति और यातायात व्यवस्था को सुचारु रखा जाए, ताकि नमाज अदा करने आने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही नगर निकाय को मस्जिदों के आसपास विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने पुलिस विभाग को संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने और सुरक्षा व्यवस्था पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, जिससे पर्व शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके। इस दौरान प्रशिक्षु आईपीएस सृष्टि जैन सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित रहे।

हिण्डाल्को रेणुकूट में 55वें सुरक्षा सप्ताह का समापन, रिडक्शन प्लांट बना चैंपियन

-सुशील कुमार तिवारी

रेणुकूट, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। हिण्डाल्को रेणुकूट में सेफ्टी विभाग की ओर से 55वें राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के उपलक्ष्य में 4 मार्च से 11 मार्च तक सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया। सप्ताह के अंतिम दिन सेफ्टी ग्राउंड में भव्य समापन समारोह आयोजित हुआ, जिसमें संस्थान के मुखिया समीर नायक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में मानव संसाधन प्रमुख जसबीर सिंह, रिडक्शन हेड जयेश पवार, एचआरबीपी हेड अजय सिन्हा सहित प्लांट के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, मान्यता प्राप्त श्रमिक संगठनों के पदाधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

सुरक्षा सप्ताह के दौरान फायर ड्रिल, रेस्क्यू एवं सीपीआर, सेफ्टी कविता, सुरक्षा पहेली, ज्ञान प्रवाह, पीपीई यूजेज, सेफ्टी इनोवेशन, इन्सटेन्ट जेएसए, बीबीएसओ सहित कुल 11 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन वरिष्ठ निर्णायक मंडल द्वारा किया गया। विभिन्न प्लांट और विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। फायर एंड सेफ्टी हेड जय तिवारी ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए सुरक्षा सप्ताह के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि समीर नायक ने अपने संबोधन में सभी टीमों और प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि संविदाकार सुरक्षा प्रबंधन और नई कार्य संस्कृति के माध्यम से ही संस्थान को सुरक्षित बनाया जा सकता है तथा जीरो हार्म के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। समापन समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को समीर नायक, जसबीर सिंह, जयेश पवार, हिमांशु श्रीवास्तव, अजय सिन्हा, जय तिवारी, तपन पाल, कर्नल (सेनि.) रोहित शर्मा, मधुस्मिता साहू और कैलाश पधान ने पुरस्कार व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस वर्ष सर्वाधिक प्रतियोगिताओं में जीत दर्ज कर रिडक्शन प्लांट ने चैंपियन ऑफ द सेफ्टी वीक का खिताब अपने नाम किया, जबकि रनर-अप ट्रॉफी फैब्रिकेशन प्लांट को मिली। कार्यक्रम का संचालन ममता गुप्ता ने किया तथा अंत में कौशल राय के धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह का समापन हुआ।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से लाभान्वित सफाई कर्मियों को किया गया सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति) । प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत लाभान्वित हुए सफाई कर्मियों को गुरुवार को सम्मानित किया गया। इस योजना का उद्देश्य आम लोगों को सस्ती और स्वच्छ बिजली उपलब्ध कराना तथा बिजली बिल के बोझ को कम करना है। योजना के अंतर्गत नागरिक अपने घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाकर लगभग 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा अधिक उत्पादन होने पर अतिरिक्त बिजली को ग्रिड को बेचकर आर्थिक लाभ भी लिया जा सकता है। सोलर पैनल लगाने के लिए सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार सब्सिडी भी दी जा रही है। इसी क्रम में पंचायती राज विभाग के अंतर्गत कार्यरत श्याम सुन्दर लाल पुत्र चौहान (ग्राम पंचायत लेदुवा, विकासखंड सिकरारा), शशिकांत पुत्र जगदीश (ग्राम पंचायत चांदपुर, विकासखंड सिकरारा) तथा श्रीमती प्रभावती पाल पत्नी हीरालाल (ग्राम पंचायत सराय रायचंद, विकासखंड सिकरारा) ने अपने घरों पर सोलर पैनल स्थापित कर योजना का लाभ उठाया है। इनके इस सराहनीय कार्य के लिए मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया ने उन्हें सम्मानित करते हुए अन्य लोगों को भी इस योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

समाजसेविका स्वर्णिमा जायसवाल बनीं जौनपुर की ब्रांड एम्बेसडर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्वच्छ भारत मिशन के तहत समाजसेविका स्वर्णिमा जायसवाल को जौनपुर का ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किए गए इस मनोनयन की जानकारी मिलते ही उनके परिवार व शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई। नगर के ख्वाजगी टोला स्थित आवास पर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। शहर के कई समाजसेवियों और गणमान्य लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए सरकार के इस निर्णय की सराहना की। लोगों ने कहा कि स्वर्णिमा जायसवाल लंबे समय से सामाजिक कार्यों से जुड़ी रही हैं और उनके नेतृत्व में स्वच्छ भारत मिशन को और गति मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनके प्रयासों से स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ेगी और अभियान को नई दिशा मिलेगी।

सैमसंग के नए AI-पावर्ड एसी करेंगे 30% तक बिजली की बचत

मुंबई। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपने एयर कंडीशनिंग पोर्टफोलियो को मजबूत करते हुए 2026 बीस्पोक एआई विंडफ्री रेंज पेश की है। ये नई रेंज के एसी इंटेलिजेंट कूलिंग और बेहतर ऊर्जा दक्षता के लिए बनाए गए हैं, और बिजली की खपत को 30% तक कम करते हैं। इन एसी में अकएनर्जी मोड फीचर है, जो कमरे की स्थिति, यूजर की पसंद और उपयोग पैटर्न का विश्लेषण करके कंप्रेसर के संचालन और कूलिंग की तीव्रता को ऑप्टिमाइज करता है। यह सिस्टम शानदार कूलिंग देता है और बिजली की खपत को कम करने के लिए तापमान सेटिंग्स और परफॉर्मेंस लेवल को समायोजित करता है। ऊर्जा दक्षता को और मजबूत करने के लिए सैमसंग ने अकडिजिटल इन्वर्टर कंट्रोल है, जो एयर कंडीशनर की ऑपरेटिंग स्थिति को लगातार महसूस करके कंप्रेसर की ऑपरेटिंग फ्रीक्वेंसी को नियंत्रित करता है। यह सिस्टम अनावश्यक संचालन को कम करता है, स्थिरता बढ़ाता है और शांत परफॉर्मेंस सुनिश्चित करता है।

सैमसंग बीस्पोक अकएआई में BLDC मोटर भी है जिसमें नियोडिमियम मैग्नेट लगे हैं जो 3 गुना मजबूत होते हैं, जिससे तेज और अधिक शक्तिशाली रोटेशन मिलता है। इसके अलावा, इसका ट्विन कंप्रेसर डिजाइन सिंगल कंप्रेसर की तुलना में 20 गुना कम वाइब्रेशन देता है, जिससे शांत संचालन होता है। सैमसंग का पेटेंटेड ट्विन मफलर रेफ्रिजरेंट फ्लो नॉइज को और कम करके अकाउस्टिक कम्फर्ट को बढ़ाता है। सैमसंग की सिग्नेचर विंडफ्री कूलिंग तकनीक हवा को 23,000 माइक्रो एयर होल्स के माध्यम से फैलाती है, जिससे कोल्ड ड्राफ्ट या तापमान में उतार-चढ़ाव के बिना समान रूप से ठंडा वातावरण बनता है। यह लाइनअप स्मार्टथिंग्स इकोसिस्टम के साथ पूरी तरह से एकीकृत होता है, जिससे यूजर्स रीयल-टाइम में ऊर्जा उपयोग की निगरानी और नियंत्रण कर सकते हैं। स्मार्टथिंग्स ऐप के माध्यम से उपभोक्ता दूर से तापमान सेटिंग्स को मैनेज कर सकते हैं, अकएनर्जी मोड को एक्टिवेट कर सकते हैं, उर्जा खपत पैटर्न को ट्रैक कर सकते हैं, और स्मार्टथिंग्स होम केयर के जरिए मेंटेनेंस के लिए प्रोएक्टिव अलर्ट प्राप्त कर सकते हैं।

पूर्वांचल में व्हाट्सऐप हैक कर इमरजेंसी के नाम पर हैकर मांग रहे पैसे

-सुरेश गांधी

वाराणसी. डिजिटल दौर में जहां मोबाइल और सोशल मीडिया ने रिश्तों को पहले से अधिक करीब कर दिया है, वहीं साइबर अपराधियों ने इन्हीं रिश्तों और विश्वास को ठगी का नया हथियार बना लिया है। पूर्वांचल, विशेषकर वाराणसी और आसपास के जिलों में इन दिनों व्हाट्सऐप हैकिंग से जुड़ा एक नया साइबर फ्रॉड तेजी से फैल रहा है। इस ठगी का तरीका इतना चालाक और भावनात्मक है कि कई लोग बिना सोचे-समझे इसके शिकार बन जा रहे हैं।

दरअसल साइबर अपराधी पहले किसी व्यक्ति का व्हाट्सऐप अकाउंट हैक या अस्थायी रूप से ब्लॉक कर लेते हैं। इसके बाद उसी नंबर और पहचान का इस्तेमाल करते हुए उसके रिश्तेदारों, मित्रों और परिचितों को संदेश भेजा जाता है। संदेश में आमतौर पर किसी दुर्घटना, अस्पताल में भर्ती होने या अचानक पैसों की जरूरत का हवाला देकर तत्काल मदद मांगी जाती है। हाल ही में ऐसा ही एक मामला सामने आया जब हैकर ने एक व्यक्ति के मोबाइल नंबर और नाम का उपयोग करते हुए उसके बेहद करीबी रिश्तेदार से 47 हजार रुपये की मदद मांगी। संदेश में बताया गया कि अचानक दुर्घटना हो गई है और तुरंत पैसों की जरूरत है। सौभाग्य से उस रिश्तेदार ने पैसे भेजने से पहले फोन कर सत्यता की पुष्टि कर ली। जब असली व्यक्ति को इसकी जानकारी मिली तो वह खुद हैरान रह गया।

घटना यहीं खत्म नहीं हुई। इसके बाद दर्जनों लोगों के फोन आने लगे कि उसी नंबर से उन्हें भी सहायता राशि मांगने के संदेश मिले हैं। इस तरह के कई लोग इस साइबर ठगी के जाल का निशाना बन रहे हैं। जांच करने पर यह स्पष्ट हुआ कि यह कोई एक-दो घटनाएं नहीं बल्कि पूरे पूर्वांचल में तेजी से फैल रहा साइबर अपराध का नया ट्रेंड बन चुका है। साइबर अपराधियों की इस चालाकी का सबसे बड़ा कारण यह है कि वे लोगों की भावनाओं और भरोसे का फायदा उठाते हैं। जब किसी परिचित के नंबर से एक्सीडेंट हो गया है, अस्पताल में हूं, ह्यतुरंत पैसे चाहिए जैसे संदेश आते हैं, तो स्वाभाविक रूप से लोग बिना ज्यादा सोचे मदद करने की कोशिश करते हैं। कई बार लोग जल्दबाजी में ऑनलाइन ट्रांसफर भी कर देते हैं और बाद में उन्हें पता चलता है कि वे ठगी का शिकार हो चुके हैं।

साइबर विशेषज्ञों के अनुसार इस तरह की घटनाओं में अक्सर व्हाट्सऐप ओटीपी, संदिग्ध लिंक या फर्जी कॉल के जरिए अकाउंट पर कब्जा किया जाता है। कई बार अपराधी पहले किसी व्यक्ति की प्रोफाइल और संपर्क सूची की जानकारी हासिल कर लेते हैं और फिर उसी पहचान का उपयोग कर ठगी का प्रयास करते हैं। वाराणसी और पूर्वांचल में तेजी से बढ़ते ऐसे मामलों को देखते हुए प्रशासन और साइबर सेल ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि यदि किसी परिचित के नंबर से अचानक पैसे मांगने का संदेश आए, तो बिना पुष्टि किए किसी भी प्रकार का भुगतान न करें। सबसे पहले संबंधित व्यक्ति को सीधे फोन कर बात करें या वीडियो कॉल के जरिए सत्यता की जांच करें।

इसके अलावा साइबर सुरक्षा के कुछ बुनियादी उपाय अपनाना भी बेहद जरूरी है। व्हाट्सऐप में टू-स्टेप वेरिफिकेशन जरूर चालू रखें, किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचें और अपना ओटीपी किसी के साथ साझा न करें। यदि इस तरह का कोई संदिग्ध संदेश या कॉल प्राप्त होता है तो तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है या नजदीकी साइबर थाने में इसकी जानकारी दी जा सकती है। दरअसल डिजिटल युग में साइबर अपराध भी उतनी ही तेजी से विकसित हो रहे हैं जितनी तेजी से तकनीक आगे बढ़ रही है। ऐसे में केवल कानून और पुलिस व्यवस्था ही नहीं, बल्कि आम नागरिकों की जागरूकता भी बेहद जरूरी है। यदि लोग थोड़ी सतर्कता और समझदारी से काम लें, तो साइबर अपराधियों की यह चाल काफी हद तक नाकाम हो सकती है।

पूर्वांचल में बढ़ते इस तरह के मामलों ने यह साफ कर दिया है कि साइबर अपराधी अब सीधे लोगों के

अमरूता टी ने चाय प्रेमियों के लिए तीन नए ब्लेंड लॉन्च किए

मुंबई। अमरूता टी, एक विरासत से जुड़ा चाय ब्रांड जो स्वयं को एक अग्रणी नई पीढ़ी की चाय और पेय कंपनी के रूप में स्थापित कर रहा है, ने तीन नए चाय वेरिएंट लॉन्च किए हैं: अमरूता जोश, अमरूता रॉयल ब्लेंड और अमरूता गोल्डन डस्ट। इस विस्तार के साथ, ब्रांड भारतीय घरों की विविध स्वाद पसंदों को पूरा करने के लिए अपने पोर्टफोलियो को और मजबूत कर रहा है। विरासत, भरोसे और लगातार उच्च गुणवत्ता की नींव पर खड़ा अमरूता टी रोजमर्रा की चाय की खपत के लिए तैयार किए गए स्वाद से भरपूर ब्लेंड देने के लिए जाना जाता है। इन तीनों ब्लेंड्स को सोच-समझकर तैयार किया गया है ताकि टियर 1, टियर 2 और छोटे शहरों के बाजारों में इसकी पहुंच और मजबूत हो सके, साथ ही ब्रांड की बेहतरीन गुणवत्ता देने की प्रतिबद्धता भी कायम रहे। छोटे शहरों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया अमरूता जोश उन बाजारों के लिए खास है जहां डस्ट टी की खपत अधिक है। यह किफायती कीमत पर मजबूत स्वाद और गहरा रंग प्रदान करता है। रोजमर्रा के उपयोग के लिए यह चाय ताकत, स्वाद और वैल्यू का बेहतरीन संतुलन देती है और सुनिश्चित करती है कि अच्छी गुणवत्ता वाली चाय सभी के लिए सुलभ रहे। टियर 1 शहरों के उपभोक्ताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया रॉयल ब्लेंड स्वाभाविक रूप से समृद्ध और परिष्कृत स्वाद प्रदान करता है। इसका प्रीमियम ममरी ब्लेंड बिना अतिरिक्त सामग्री डाले या अधिक देर तक उबालने की आवश्यकता के ही भरपूर स्वाद देता है। यह एक सरल लेकिन शानदार चाय अनुभव प्रदान करता है। गोल्डन डस्ट एक दमदार प्रीमियम डस्ट चाय है जिसे टियर 1 और टियर 2 शहरों के लिए तैयार किया गया है। यह स्थानीय चाय दुकानों और फैक्ट्री कर्मचारियों के बीच काफी पसंद की जाती है। बेहतर स्वाद और स्थिर गुणवत्ता के साथ यह उचित कीमत पर उच्च स्तर की चाय प्रदान करती है। ईशिता मलपानी, मैनेजिंग डायरेक्टर, अमरूता टी ने कहा, अमरूता टी में हम अपने ग्राहकों को अपने बिजनेस मॉडल के केंद्र में रखते हैं। हमारा उद्देश्य ऐसी बेहतरीन गुणवत्ता वाली चाय देना है जो वास्तव में लोगों के स्वाद से जुड़ सके। नए उत्पादों के साथ हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हमारे पोर्टफोलियो में कोई कमी न रहे और हर किसी को अपनी पसंद की चाय मिल सके।

इराक ऑयल टैंकर अटैक: भारतीय दूतावास ने बचाई 15 भारतीयों की जान

मुंबई/बगदाद। इराक स्थित भारतीय दूतावास ने 11 मार्च को इराक के बसरा तट के पास एक तेल टैंकर पर हुए हमले के बाद 15 भारतीय क्रू मेंबर्स को सफलतापूर्वक बचा लिया है। भारतीय दूतावास अपने नागरिकों व स्थानीय प्रशासन के साथ लगातार संपर्क में है और बचाए गए भारतीयों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। पश्चिम एशिया में ईरान-इजरायल और अमेरिका के बीच चल रही जंग के कारण स्थिति नाजुक बनी हुई है। इस बीच मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाले और कथित तौर पर अमेरिकी स्वामित्व वाले कच्चे तेल के टैंकर 'सेफसी विष्णु' पर इराक के बसरा के पास हमला हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह हमला ईरान की एक सुसाइड बोट द्वारा किया गया था। हालांकि इस दुर्भाग्यपूर्ण हमले में एक भारतीय क्रू सदस्य की मौत हो गई है। क्षेत्र में चल रहे तनाव के कारण इराक की राजधानी बगदाद स्थित भारतीय दूतावास के अधिकारी पहले से ही अलर्ट थे और इलाके में चल रही तमाम गतिविधियों पर नजर बनाए हुए थे। घटना की जानकारी मिलते ही भारतीय दूतावास ने तुरंत बाकी 15 भारतीय सदस्यों को सुरक्षित स्थान (संभवतः बसरा के पास एक छोटे द्वीप) पर पहुंचा दिया है। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 11 मार्च, 2026 को मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाले यूएस के क्रूड ऑयल टैंकर सेफसी विष्णु पर इराक के बसरा के पास हमला हुआ, जिसमें बदकिस्मती से एक भारतीय क्रू मेंबर की जान चली गई। बाकी 15 भारतीय क्रू मेंबर्स को सुरक्षित जगह पर पहुंचा दिया गया है। बगदाद में भारतीय दूतावास इराकी अधिकारियों और बचाए गए भारतीय नाविकों के साथ रेगुलर संपर्क में है और हर मुमकिन मदद दे रहा है। दूतावास मृतक क्रू मेंबर के परिवार वालों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता है। इस बीच विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान में कहा, जीसीसी देशों में हमारे लगभग 1 करोड़ प्रवासी रहते हैं। हमारे प्रवासी समुदाय का कल्याण हमारे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता और महत्व रखता है। प्रधानमंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात, कतर, सऊदी अरब, ओमान, बहरीन, जॉर्डन, कुवैत और इजरायल सहित क्षेत्र के कई नेताओं से बात की है। विदेश मंत्री भी इन देशों के साथ-साथ ईरान के समकक्षों के साथ नियमित संपर्क में हैं

Nutri+ Wellness और Prankies की वायरल वापसी का संगम

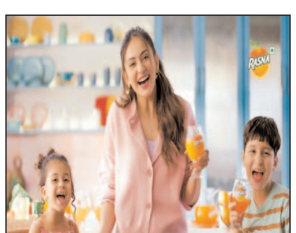

मुंबई। भारत के लोकप्रिय पेय ब्रांड रसना ने गर्मियों के मौसम को ध्यान में रखते हुए अपना नया उत्पाद रसना न्यूट्री+ लॉन्च किया है। यह पोषण से भरपूर पाउडर कॉन्सन्ट्रेट ड्रिंक है, जिसे रसना की रिसर्च एंड डेवलपमेंट टीम ने खासतौर पर आधुनिक भारतीय परिवारों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया है। इस नए पेय में रसना का वही जाना-पहचाना और पसंदीदा स्वाद बरकरार रखा गया है, जिसे लोग वर्षों से पसंद करते आए हैं लेकिन इसके साथ इसमें जरूरी पोषक तत्व भी जोड़े गए हैं। इसका उद्देश्य यह है कि लोगों को स्वादिष्ट पेय का आनंद लेने के साथ-साथ शरीर के लिए जरूरी पोषण भी मिल सके, जिससे यह बच्चों और परिवार के सभी सदस्यों के लिए एक बेहतर और सेहतमंद विकल्प बन सके। कंसंट्रेट ड्रिंक मार्केट में 70% से ज्यादा हिस्सेदारी रखने वाला रसना अब अपनी इस मजबूत स्थिति को और आगे बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। कंपनी का लक्ष्य है कि वह आने वाले समय में उद्योग की सामान्य वृद्धि दर से 15-20 प्रतिशत अधिक तेजी से विकास हासिल करे। इस लक्ष्य को पाने के लिए रसना ने बड़े स्तर पर मार्केटिंग की योजना बनाई है और अपने वितरण नेटवर्क को भी और मजबूत किया है। खासतौर पर छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों में अपने उत्पादों की पहुंच बढ़ाने पर ध्यान दिया जा रहा है, क्योंकि कंसंट्रेट ड्रिंक का बड़ा बाजार इन्हीं क्षेत्रों में है। इस पूरी रणनीति के जरिए कंपनी चाहती है कि ज्यादा से ज्यादा लोग उसके उत्पादों तक आसानी से पहुंच सकें और बाजार में रसना की पकड़ पहले से भी ज्यादा मजबूत हो सके। सितारों से भरा मीडिया अभियान साल 2026 के समर कैंपेन के लिए रसना ने बॉलीवुड अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह को अपना नया ब्रांड एंबेसडर बनाया है। इस विज्ञापन अभियान में रकुल प्रीत सिंह और दो बाल कलाकारों के बीच एक मजेदार 'प्रैंक वॉर' दिखाया गया है, जो पूरे कैंपेन को और भी दिलचस्प और मनोरंजक बनाता है। रसना के ग्रुप चेयरमैन Piruz Khambatta ने कहा कि आज के समय में ग्राहक स्वाद और सेहत के बीच किसी एक को चुनना नहीं चाहते और रसना का नया उत्पाद रसना न्यूट्री+ इन दोनों के बीच संतुलन बनाने का काम करता है।

ब्रांड एंबेसडर रकुल प्रीत सिंह ने कहा कि रसना एक ऐसा ब्रांड है जो कई लोगों को अपने बचपन की याद दिलाता है। इसे देखते ही उन्हें गर्मियों की छुट्टियां और घर पर बिताए गए खुशहाल पल याद आ जाते हैं। उन्होंने बताया कि रसना न्यूट्री+ की खास बात यह है कि इसमें वही पुराना और पसंदीदा स्वाद बरकरार रखा गया है जिसे लोग बचपन से पसंद करते आए हैं, लेकिन अब इसमें अतिरिक्त पोषण भी जोड़ा गया है। उनके अनुसार आज के समय में परिवार ऐसे पेय पदार्थ चाहते हैं जो स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी अच्छे हों।

अजीव पाटिल की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक सम्पन्न

वसई-विरार। वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉरपोरेशन में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट विभाग की समीक्षा बैठक मेयर अजीव पाटिल की अध्यक्षता में मेयर हॉल में आयोजित की गई। बैठक में शहर की सफाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं बेहतर बनाने के लिए विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा चल रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान शहर में रोजाना कचरा उठाने की व्यवस्था, कचरे का वर्गीकरण, सड़कों एवं सार्वजनिक स्थानों की सफाई तथा कचरा परिवहन प्रणाली की स्थिति का भी आकलन किया गया। मेयर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर की मुख्य सड़कों, बाजारों, सार्वजनिक स्थलों, स्कूल परिसरों, अस्पताल परिसरों और अन्य भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में नियमित सफाई अभियान चलाया जाए। इसके साथ ही सीवर, नालियों और जल निकासी चैनलों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि मानसून के दौरान जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो। संबंधित विभाग को यह भी निर्देशित किया गया कि कचरा समय पर उठाया जाए तथा सफाई कर्मचारियों के कार्य की प्रभावी मॉनिटरिंग की जाए। शहर में मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए नियमित फॉगिंग करने और जहाँ कहीं पानी जमा हो रहा हो, वहाँ कीटनाशक दवा का छिड़काव करने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में सफाई कर्मचारियों को आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने, उनके कार्य की नियमित जांच करने तथा कार्य में अनुशासन और समय की पाबंदी बनाए रखने पर भी विशेष जोर दिया गया। इसके अलावा शहर में स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न अभियान चलाने, स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने तथा नागरिकों की भागीदारी से स्वच्छता गतिविधियों को लागू करने पर भी चर्चा हुई। हाउसिंग सोसाइटियों, होटलों और मॉल जैसे स्थानों पर, जहाँ अधिक मात्रा में कचरा उत्पन्न होता है, वहाँ गीले कचरे के ऑन-साइट प्रबंधन को बढ़ावा देने तथा उसे कम्पोस्टिंग या बायोगैस प्रक्रिया के माध्यम से निपटाने के निर्देश भी दिए गए। इस बैठक में डिप्टी मेयर मार्शल लोपिस, स्टैंडिंग कमेटी चेयरमैन प्रवीण शेट्टी, सदन के नेता प्रफुल्ल साने, एडिशनल कमिश्नर संजय हेरवाडे एवं दीपक सावंत, चीफ सिटी इंजीनियर प्रदीप पाचंगे, डिप्टी कमिश्नर (सॉलिड वेस्ट डिपार्टमेंट) अर्चना दिवे, असिस्टेंट कमिश्नर (सॉलिड वेस्ट डिपार्टमेंट) जितेंद्र नाइक, सभी माननीय पार्षद, नगर सेवक, सफाई निरीक्षक तथा संबंधित कर्मचारी उपस्थित थे।

भाजपा की बैठक में स्नेहा दूबे हुई शामिल

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी के महाराष्ट्र स्टेट ऑफिस, नरीमन पॉइंट में ठाणे-कोंकण डिवीजन की ओर से एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक भाजपा प्रदेश प्रमुख एवं विधायक रविन्द्र चौहाण के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। बैठक में ठाणे-कोंकण डिवीजन के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों, क्षेत्रीय विकास कार्यों तथा आगामी सत्र में उठाए जाने वाले महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही जनता की समस्याओं को विधान भवन में प्रभावी ढंग से उठाने और विकास कार्यों को गति देने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। इस बैठक में स्नेहा दुबे पंडित सहित बड़ी संख्या में मंत्री, विधायक और भारतीय जनता पार्टी के विभिन्न पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा जनहित से जुड़े मुद्दों पर प्रभावी ढंग से कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। बैठक के दौरान क्षेत्र के विकास, जनसमस्याओं के समाधान और आगामी राजनीतिक रणनीतियों पर भी गंभीर विचार-विमर्श किया गया।

आदिवासी विकास मंत्री अशोक उड़के से मिलीं विधायक स्नेहा दुबे पंडित

वसईरोड। शहापुर तालुका में घरकुलों के मुद्दे को लेकर विधानसभा में उठाए गए सवाल के संदर्भ में आज आदिवासी विकास मंत्री अशोक उइके के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित उपस्थित रहीं। इस बैठक में शहापुर तालुका के घरकुलों के साथ-साथ पूरे ठाणे और पालघर जिले के आदिवासी समुदाय, विशेष रूप से कातकरी समाज के लिए आवास से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही गांव विस्तार तथा नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायत क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी परिवारों को घरकुल योजना के तहत आवास उपलब्ध कराने के विषय पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान आदिवासी विकास मंत्री अशोक उइके ने घरकुल योजना के फंड का उचित वितरण सुनिश्चित करने और तय लक्ष्य को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि सभी पात्र आदिवासी परिवारों तक इस योजना का लाभ पहुंच सके। इसके साथ ही उन्होंने वन विभाग को निर्देश दिए कि जिन आदिवासी परिवारों के पास अपनी जमीन नहीं है, उनकी समस्याओं का तुरंत समाधान किया जाए और वन भूमि पर घर निर्माण से जुड़े प्रस्तावों को शीघ्र मंजूरी दी जाए। इस विषय पर विधानसभा सत्र के बाद अगले सप्ताह मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें लंबित मामलों का समाधान करने के साथ-साथ गांव विस्तार और वन भूमि से जुड़े मुद्दों पर निर्णय लिया जाएगा। इस बैठक में वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित के साथ विधायक श्रीमती उमाताई खापरे और विधायक निरंजन डावखरे भी उपस्थित थे। साथ ही श्रमजीवी संगठन के पदाधिकारी जनरल सेक्रेटरी बलराम भोईर, विजय जाधव, ठाणे जिला अध्यक्ष अशोक सपाते, पालघर जिला अध्यक्ष सुरेश रांगेड़, संगठन सचिव सीता घाटल, महिला प्रमुख जया पारधी, रेखा परहाद, ठाणे जिला महासचिव दशरथ भालके, राजेश चन्ने, शहापुर तालुका अध्यक्ष राजेश मस्कर, तालुका सचिव प्रकाश खोडका और विलास मोरगे भी बैठक में मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त समर्थ संस्था के रूपेश कीर, आदिवासी विकास विभाग, रोजगार गारंटी विभाग, वन विभाग और राजस्व विभाग के अधिकारी भी इस बैठक में उपस्थित थे।

जॉन डियर पावर एंड टेक्नोलॉजी ने भारत में 5एम सीरीज का 5130M ट्रैक्टर पेश किया

मुंबई। डियर एंड कंपनी कृषि, निर्माण और फॉरेस्ट्री क्षेत्रों में एक वैश्विक टेक्नोलॉजी लीडर है, जो अपने ग्राहकों, चैनल भागीदारों, आपूर्तिकताओं और कर्मचारियों की सफलता के लिए प्रतिबद्ध है। जॉन डियर लगातार एक टेक्नोलॉजी कंपनी के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत कर रहा है और दुनिया के कई हिस्सों में इन क्षेत्रों में परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। भारत में पिछले 27 वर्षों से अधिक समय से जॉन डियर खेती-किसानी के लिए तकनीकी रूप से उन्नत समाधान प्रदान करता आ रहा है। इन समाधानों का उद्देश्य खेती की उत्पादकता बढ़ाना है, साथ ही मिट्टी के स्वास्थ्य की रक्षा, जल संरक्षण और पर्यावरण संतुलन जैसे टिकाऊ खेती के महत्वपूर्ण पहलुओं को भी मजबूत करना है। राजेश सिन्हा, जॉन डियर इंडिया के एमडी और कंट्री मैनेजर और सीएंडएफ वर्ल्डवाइड प्रेसिडेंट के स्ट्रैटेजिक एडवाजइर ने कहा, जॉन डियर की रणनीति का मुख्य आधार सटीक खेती और स्मार्ट कनेक्टेड मशीनों के लिए डिजिटल समाधानों का एकीकरण है, जिससे किसान कम संसाधनों में अधिक उत्पादन कर सकें। हाल ही में पेश की गई तकनीकें खेतों के कामकाज को बेहतर बनाने और लागत को कम करने के साथ-साथ मिट्टी और पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विकसित की गई हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत में जॉन डियर की उपस्थिति काफी व्यापक है और यह आरएंडडी, इंजीनियरिंग, ग्लोबल आईटी, सप्लाई चेन, सड़क निर्माण और मैन्युफैक्चरिंग सहित कई क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

Media Expo Mumbai 2026 में 140+ प्रदर्शक, डिजिटल साइनेज और रिटेल ब्रांडिंग क्षेत्र पर बढ़ता ध्यान

मुंबई। Media Expo Mumbai 2026 का ५७ वां एडिशन, इनडोर और आउटडोर एडवरटाइजिंग और साइनेज सॉल्यूशंस पर इंटरनेशनल ट्रेड एग्जिबिशन, ९-११ अप्रैल २०२६ को बॉम्बे एग्जिबिशन सेंटर, मुंबई में होने वाला है। यह शो ग्लोबल ब्रांड्स और क्रिएटिव प्रोफेशनल्स को एक साथ लाएगा और आगे आने वाली नई टेक्नोलॉजी और प्रोडक्ट्स को प्रदर्शित करेगा। अपने पिछले एडिशन्स की सफलता को आगे बढ़ाते हुए, आने वाला शो डिजिटल साइनेज और POP / POSM सॉल्यूशंस पर ज्यादा फोकस करेगा, जो रिटेल, ब्रांडिंग और OOH सेगमेंट्स में एप्लीकेशन-लेड और टेक्नोलॉजी-ड्रिवन विजुअल कम्युनिकेशन की ओर इंडस्ट्री के बदलाव को दिखाता है। इंडस्ट्रीज में लगातार बढ़ते डिजिटल बूम के बीच, बिलबोर्ड और आउटडोर मार्केट मजबूती से खड़ा रहा है। ग्रैंड व्यू रिसर्च के अनुसार, इंडिया बिलबोर्ड और आउटडोर एडवरटाइजिंग मार्केट ने 2025 में USD 576.3 मिलियन का रेवेन्यू कमाया और 2033 तक इसके USD 1,075.5 मिलियन तक पहुंचने की उम्मीद है। बिल्डिंग्स की ग्रोथ वेव पर सवार होकर, मार्केट के 8.2% के CAGR से बढ़ने की उम्मीद है, जो 2025 में सबसे ज्यादा रेवेन्यू जेनरेट करने वाला सेगमेंट है। वाणिज्यिक भवनों में विज्ञापन और ब्रांडिंग, इनडोर और आउटडोर मीडिया की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए संभावित अनुप्रयोग क्षेत्रों में से एक के रूप में उभर रही है। भारत में बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के साथ तेजी से बढ़ रहा है और MSMEs इंडस्ट्री में मुख्य सॉल्यूशन प्रोवाइडर हैं, इसलिए Media Expo Mumbai 2026 2026 और भी जरूरी हो जाता है। मेसे फ्रैंकफर्ट एशिया होल्डिंग्स लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और बोर्ड मेंबर, मिस्टर राज मानेक ने कहाः “Media Expo Mumbai 2026 एक अहम मोड़ पर है, जहाँ ग्रोथ के नए रास्ते तेजी से खुल रहे हैं। इंडस्ट्री ने डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को पूरी तरह से अपनाया है, खुद को सस्टेनेबल और इको-कॉन्शियस तरीकों से जोड़ा है और अलग-अलग सेक्टर में साइनेज एप्लीकेशन का दायरा बढ़ाया है। एडवांस्ड डिजिटल साइनेज सॉल्यूशन से लेकर इनोवेटिव इंटीरियर और एक्सटीरियर डेकोर फॉर्मेट तक, यह बदलाव साइनेज और OOH मीडिया इकोसिस्टम के बढ़ते असर और वर्सेटिलिटी को दिखाता है। इनोवेशन, स्केल और इंडस्ट्री रेलिवेंस को अपने मुख्य फोकस में रखते हुए, Media Expo Mumbai 2026 भारत के बढ़ते एडवरटाइजिंग, रिटेल और विजुअल कम्युनिकेशन लैंडस्केप का फायदा उठाने के इच्छुक स्टेकहोल्डर्स के लिए एक डायनामिक बिजनेस प्लेटफॉर्म के तौर पर काम करने के लिए तैयार है।

वसई-विरार म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन क्षेत्र में क्लस्टर स्कीम लागू की जाए: विधायक राजन नाइक

वसई। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नारवेकर ने बुधवार को स्पष्ट निर्देश दिया कि वसई विरार महानगर पालिका क्षेत्र में क्लस्टर स्कीम को प्रभावी रूप से लागू किया जाए। इसके लिए नगर निगम के साथ समन्वय कर आवश्यक कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए गए।

यह मांग विधायक वसई-विरार द्वारा लगातार उठाई जा रही थी। उन्होंने वसई-विरार शहर में क्लस्टर स्कीम लागू करने के लिए क्षेत्र तय करने की मांग की थी, जिसे अब सफलता मिली है। विधायक राजन नाइक ने पिछले मॉनसून सत्र में 9 जुलाई 2025 को विधानसभा अध्यक्ष से वसई-विरार के लिए अलग क्लस्टर नीति बनाने और इस शहर को क्लस्टर स्कीम में प्राथमिकता देने की मांग की थी। इसके बाद 6 मार्च को विधानसभा में मुंबई की Slum Slum Rehabilitation Authority से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के दौरान एक विशेष बैठक बुलाने का निर्देश दिया गया था। इसी के तहत बुधवार को आयोजित बैठक में विधायक नाइक को आमंत्रित किया गया।

बैठक में सामने आया कि वसई-विरार नगर निगम क्षेत्र में कुल 10,16,000 संपत्तियों में से 4,99,000 संपत्तियां बिना अनुमति के निर्मित पाई गई हैं। इसके अलावा 872 आरक्षित भूखंडों में से 329 भूखंडों पर अवैध निर्माण किया गया है। इस स्थिति के कारण इस क्षेत्र के पुनर्विकास में गंभीर बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं। बैठक में विधायक राजन नाइक ने इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए बताया कि मुंबई को छोड़कर राज्य के अन्य हिस्सों के लिए 8 सितंबर 2020 को नोटिफिकेशन लागू किया गया था, लेकिन पिछले छह वर्षों में वसई-विरार में एक भी स्लम क्षेत्र को आधिकारिक रूप से घोषित नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि शहर की कई कॉलोनियां निजी, सरकारी, रेलवे, वन विभाग, गैरान और आदिवासी मालिकाना हक वाली जमीनों पर बसी हुई हैं। इन जमीनों पर बने घर और इमारतें आम नागरिकों को बेच दी गई हैं, लेकिन जमीन का स्वामित्व अब भी मूल मालिकों के नाम पर है। इसके कारण संबंधित रहवासियों और संस्थाओं को अब तक कानूनी स्वामित्व अधिकार नहीं मिल पाया है। विधायक नाइक ने यह भी बताया कि यह क्षेत्र प्रस्तावित बुलेट ट्रेन स्टेशन से लगभग 5 किलोमीटर के दायरे में आता है और भविष्य में इसे एक महत्वपूर्ण ग्रोथ हब के रूप में विकसित करने की योजना है। विशेषज्ञों के अनुसार वर्तमान रफ्ख्र नियमों के अंतर्गत इस क्षेत्र का पुनर्विकास व्यावहारिक नहीं है। इन सभी मुद्दों को ध्यान में रखते हुए विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने संबंधित अधिकारियों को नगर निगम के साथ समन्वय कर वसई-विरार नगर निगम क्षेत्र में क्लस्टर स्कीम को तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिए। इस बैठक में वसई-विरार नगर निगम के विपक्ष नेता मनोज पाटिल, पार्षद नीलेश चौधरी, स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी ठाणे डिवीजन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संदीप मालवी, उप मुख्य अभियंता राजकुमार पवार, एम्पावर्ड अथॉरिटी (क्रमांक-4) की मीनल पलांडे तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

केनस्टार लाया भारत के पहले 5-स्टार बीईई रेटेड एयर कूलर, अब मिलेगी कम बिजली में दमदार कूलिंग

मुंबई/गुरुग्राम। केनस्टार, जो पिछले 30 सालों से भारत के भरोसेमंद होम अप्लायंस ब्रांड्स में से एक है, ने बिजली की बचत और कूलिंग के मामले में नया रिकॉर्ड बनाया है। कंपनी ने भारत के पहले 5-स्टार बीईई रेटेड एयर कूलर लॉन्च किए हैं, जिन पर 5 साल की पक्की वारंटी दी जा रही है। इस नई शुरूआत के साथ केनस्टार ऐसा पहला ब्रांड बन गया है जो सर्टिफाइड बिजली बचत को लंबी वारंटी के भरोसे के साथ जोड़ रहा है। इससे ग्राहकों को कम बिजली बिल, दमदार परफॉरमेंस और लंबे समय तक चलने वाली कूलिंग का फायदा मिलेगा। लॉन्च के साथ ही केनस्टार ने एक खास कैंपेन भी शुरू किया है, जिसमें बॉलीवुड स्टार राजकुमार राव और पत्रलेखा नजर आ रहे हैं। इस कैंपेन के जरिए 'भारत का पहला 5-स्टार और 5 साल की वारंटी' का मैसेज बहुत ही आसान और दिलचस्प तरीके से लोगों तक पहुँचाया जा रहा है। केनस्टार के 50 से ज्यादा एयर कूलर मॉडल्स घरों से लेकर दुकानों और ऑफिसों तक, हर जगह के लिए फिट हैं। कंपनी का वादा साफ है—हर जगह के लिए सही कूलिंग, वो भी बिजली की बचत और परफॉरमेंस से समझौता किए बिना। इन कूलरों में BLDC MÔxx तकनीक है जो कम बिजली में ज्यादा हवा देती है। लॉन्च के मौके पर केनस्टार के सीईओ सुनील जैन ने कहा, हमारे लिए इनोवेशन का मतलब सिर्फ तकनीक नहीं, बल्कि लोगों की जिंदगी को आसान बनाना है। हमारी नई रेंज में बेहतरीन परफॉरमेंस, बिजली की सबसे ज्यादा बचत और लंबे समय का भरोसा—सब एक साथ मिलता है। यह लॉन्च दिखाता है कि हम भारतीय घरों को सही मायनों में उच्च गुणवत्ता और वैल्यू देना चाहते हैं। यह कैंपेन केनस्टार को एक ऐसे ब्रांड के रूप में और मजबूत बनाता है, जिस पर करोड़ों लोग भरोसा करते हैं। आसान कहानियों के जरिए कंपनी अपने बिजली बचाने वाले कूलिंग के वादे को सीधे लोगों तक पहुँचा रही है। केनस्टार के ब्रांड एंबेसडर राजकुमार राव ने कहा, केनस्टार हमेशा से भरोसे का नाम रहा है। यह रेंज सिर्फ एक विज्ञापन नहीं, बल्कि एक वादा है जो बिजली की बचत और लंबे समय तक चलने वाले भरोसे के जरिए भारतीय परिवारों को असली फायदा पहुँचाता है।